संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 121
पृष्ठ 8
रविवार
18 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- झुर्रियों को कम करने के लिए सोने...

विचार- फर्जी खबरों, डीपफेक और इन्फ्लुएंसर्स ...

खेल- कैफ ने जडेजा को लेकर ऐसा क्या...

टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी, बोले

घुसपैठिए हक छीन रहे हैं, भाजपा सरकार बनते ही कार्रवाई करेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा में रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं, भाजपा के विस्तार और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखे हमलों के साथ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह चाहते हैं कि बंगाल के हर गरीब परिवार के पास पक्का घर हो, हर जरूरतमंद को मुफ्त राशन मिले और केंद्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ गरीबों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बंगाल में ऐसा नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे को

उठाते हुए टीएमसी सरकार पर बड़ा हमला बोला। रैली में उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों का हक घुसपैठिए छीन रहे हैं। भाजपा सरकार बनते ही सभी घुसपैठिओं पर कार्रवाई करेंगे और बंगाल के लोगों का हक और उनके अधिकार सुरक्षित किए जाएंगे।

केंद्र की योजनाएं बंगाल तक क्यों नहीं पहुंच रहीं?

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार बेहद असंवेदनशील और निर्दयी रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के लिए जो पैसा भेजती है, उसे टीएमसी के नेता लूट लेते हैं। पीएम मोदी ने साफ कहा कि गरीबों के हक का पैसा गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने जनता से सवाल किया कि क्या ऐसी सरकार को और मौका दिया जाना चाहिए, जो गरीबों के साथ अन्याय कर रही हो।

अब बंगाल में बदलाव क्यों जरूरी है?

पीएम मोदी ने कहा कि जिन इलाकों में वर्षों तक भाजपा के खिलाफ झूठ फैलाया गया और अफवाहें उड़ाई गईं, वहां भी अब मतदाता भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं। उन्होंने पूरे भरोसे के साथ कहा कि इस बार बंगाल की जनता भाजपा को विजयी बनाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि देश का माहौल बदल चुका है और लोग विकास और सुशासन की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

देश के अन्य राज्यों का उदाहरण क्या कहता है?

ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है।

त्रिपुरा में कई वर्षों से भाजपा पर जनता भरोसा जता रही है।

असम ने बीते चुनावों में भाजपा को समर्थन दिया है।

कुछ दिन पहले बिहार में भाजपा–एनडीए की सरकार बनी है।

चंदौली में इंटीग्रेटेड कोर्ट भवन का शिलान्यास, चीफ जस्टिस ने जलाए दीप, सीएम बोले

एक छत के नीचे सारे काम

चंदौली (संवाददाता)। चंदौली में एकीकृत न्यायालय परिसर के शिलान्यास के लिए शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ पंकज मित्तल, मनोज मिश्रा, राजेश बिंदल के साथ हाई कोर्ट इलाहाबाद के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ का भी आगमन हुआ। सारे अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। 286 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एकीकृत जिला न्यायालय भवन का शिलान्यास प्रस्तावित है। यह आधुनिक न्यायालय परिसर लगभग 35 बीघे क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इंटीग्रेटेड कोर्ट भवन का निर्माण 1500 करोड़ की लागत से होगा। यहां आने वाले वादकारियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। खास बात यह होगी कि एक छत के नीचे सारे काम होंगे। यहां अधिवक्ताओं के चैंबर भी बनेंगे। कैंटीन की सुविधा होगी, जजों के आवास का निर्माण होगा। सुविधाएं सहजता के साथ नागरिकों को मिलेंगी। अप्रैल 2027 तक कोर्ट परिसर बन जाएंगे। कोर्ट परिसर में ही जजों के आवास होंगे। वर्तमान में शामली, औरैया, हाथरस, महोबा, अमेठी में भी इंटीग्रेटेड कोर्ट भवन हैं। न्यायालय भवन का मॉडल भी सामने आ चुका है, जिसमें प्रस्तावित परिसर अत्यंत भव्य और आकर्षक नजर आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एस. सूर्यकांत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बनने वाला एकीकृत कोर्ट परिसर देश के अन्य राज्यों के लिए उदाहरण और बेंचमार्क साबित होगा। उन्होंने कहा कि वे जब भी देश के किसी अन्य राज्य में जाएंगे, वहां उत्तर प्रदेश का उल्लेख जरूर करेंगे और यहां के न्यायिक ढांचे का उदाहरण देंगे।

बीएमसी में हमारी पार्टी का महापौर सपना, ईश्वर की कृपा रही तो ऐसा ही होगा : पूर्व सीएम उद्धव

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में चुनाव संपन्न कराए जा चुके हैं। नतीजों की घोषणा के बाद अब सबकी

नजरें बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अगले मेयर यानी महापौर पर टिकी हैं। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि बीएमसी में उनकी पार्टी– शिवसेना (यूबीटी) का महापौर बने, यह सपना है और अगर ईश्वर की कृपा हुई तो ऐसा जरूर होगा। शुक्रवार को निकाय चुनाव के नतीजों की घोषणा होने के बाद उद्धव ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय कहा, भाजपा मुंबई को गिरवी रखना चाहती है, उसने धोखे से चुनाव जीता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मराठी मानुष इस पाप को माफ नहीं करेंगे। उद्धव ने शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं से ये भी कहा कि भाजपा शिवसेना को जमीनी स्तर पर खत्म नहीं कर सकी है। उन्होंने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नतीजों की तरफ संकेत करते हुए कहा, तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद भाजपा शिवसेना के कार्यकर्ताओं की वफादारी नहीं खरीद सकती।

सदन में आतिशी की टिप्पणी वाले वीडियो से नहीं हुई कोई छेड़छाड़: विजेंद्र

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विपक्ष की नेता आतिशी के सिख गुरुओं का अपमान करने वाले कथित टिप्पणी से जुड़े वीडियो की सच्चाई पर फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में क्लिप को सही और बिना किसी छेड़छाड़ के बताया गया है। श्री गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को वीडियो की फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए कहा कि विपक्ष की मांग पर सदन की रिकॉर्डिंग को फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएलएल) को भेजा गया था जिसकी रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो ऑडियो–वीडियो है वह एक ही है। उसमें किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि सुश्री आतिशी की ओर से गुरुओं के लिए की टिप्पणी पर कोई जवाब देने के बजाय विपक्ष राजनीतिक हथकंडा अपना रही है और पंजाब की एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब रिपोर्ट साफ है, सदन की ट्रांसक्रिप्ट, वीडियो और ऑडियो सब मेल खाते हैं।

जैतपुर हत्या मामले के सभी संदिग्धों को पकड़ा गया : दिल्ली पुलिस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जैतपुर इलाके में 21 वर्षीय युवक की हत्या के मामले में दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को कहा कि इस अपराध के सभी संदिग्धों को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित कृष्णा साहू (21) की बृहस्पतिवार रात तब चाकू मारा गया, जब उसने एक लड़की से जुड़े मुद्दे पर अपने दोस्त और कुछ युवकों के बीच हुई लड़ाई में बीच–बचाव की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि साहू को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में पकड़े गए लोगों की कुल संख्या 10 हो गई है, जिनमें पांच वयस्क और उतने ही नाबालिग हैं।

राहुल गांधी ने इंदौर में कहा

ये कैसा स्मार्ट सिटी मॉडल, जहां पानी पीने से मौतें हो रही हैं

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण जिन लोगों की मौत हुई थी, उनके परिवारों से मिलने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को इंदौर आए थे। वे पहले बांबे अस्पताल पहुंचे और वहां भर्ती मरीजों को देखा, वे फिर भागीरथपुरा बस्ती में आकर पीड़ित परिवारों से मिले। कुछ परिवारों से मिलने उनके घर गए थे, जबकि ज्यादातर परिवारों से उन्होंने उद्यान में मुलाकात की थी।

भागीरथपुरा में हुई 24 मौतों के बाद केंद्र स्तर के किसी नेता का बस्ती में यह पहला दौरा था। राहुल दूषित पानी पीने से मृत लोगों के परिवारों से मिले और उन्हें सहायता राशि बतौर एक–एक लाख रुपए के चेक सौंपे गए।

राहुल ने कहा कि हमसे कहा जाता था कि देश को स्मार्ट शहर मिलेंगे,लेकिन यह कैसा स्मार्ट सिटी का मॉडल है, जहां पीने का साफ पानी नहीं मिलता।पानी पीने से लोगों की मौत हो जाती है।लोगों को डराया

जाता है। ये हालत सिर्फ इंदौर में ही नहीं देश के कई शहरों में है।लोगों को साफ पानी मिले, कम प्रदूषण रहे,यह सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन उसे नहीं निभाया जा रहा है।

राहुल ने कहा कि मैं यहां राजनीति करने नहीं आया बल्कि उन लोगों के साथ खड़ा हूं जिनके परिवार के सदस्यों की मौत दूषित पानी पीने से हुई है। अभी भी बस्ती के लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा है। कोई तो जिम्मेदार होगा, जिसकी वजह से बस्ती में बीमारी फैली। सरकार जिम्मेदारी तय क्यों नहीं कर पा रही है। बीमार लोगों ने इलाज में अपने पैसे खर्च किए। सरकार की लापरवाही से ये सब हुआ, तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह प्रभावितों को उचित मुआवजा दें।

बस्ती में खड़ी टंकी गंदे पानी की सप्लाई का प्रतीक है। अभी सबका ध्यान बस्ती पर है। टंकी से पानी देने पर बैन लगा है लेकिन जब ध्यान हटेगा तो फिर पहले जैसे हालत होंगे। लोगों को गंदा पानी मिलेगा। मेरे यहां आने पर लोगों को राजनीति लगे तो लगे, लेकिन में विपक्ष में है। जनता के मुद्दे उठाना मेरी जिम्मेदारी है। यह कोई गलत काम नहीं है। मैं इनके साथ खड़ा रहने आया हुं। इन्हें साफ पानी मिलना चाहिए। राहुल ने कहा कि उन्होंने बस्ती के लोगों से बातचीत की।

'ये खैरात नहीं, पंजाब का हक है'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अंतरराष्ट्रीय सीमा से संबंधित मुद्दों और राज्य से जुड़े अन्य लंबित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के अधिकार केंद्र के समक्ष स्पष्ट रूप से रखे गए हैं। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए मान ने बताया कि चर्चा का एक प्रमुख मुद्दा सीमा बाड़ के पार स्थित कृषि भूमि का पुनर्वास था। उन्होंने मौजूदा सीमा बाड़ की समीक्षा का अनुरोध किया, जिसके कारण बाड़ और वास्तविक अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच काफी कृषि भूमि अलग–थलग पड़ गई है, जिससे किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पहचान पत्र दिखाने के बाद बीएसएफ के साथ सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अपनी जमीन पर खेती करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मान ने कहा कि यदि बाड़ को फिर से व्यवस्थित किया जाता है, तो हजारों एकड़ जमीन भारतीय सीमा मेंआ जाएगी, जिससे किसान बिना किसी डर, प्रतिबंध या सुरक्षा चिंताओं के खेती कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शाह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और उन्हें आश्वासन दिया कि इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी समेत दो नक्सली मारे गए

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेदजा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल–विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल और जिला रिजर्व गार्ड इकाइयों के जवान और सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के जवान इस अभियान में शामिल थे, जिसे मंडलीय समिति के सदस्य बेदजा की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया था।

अमेरिका–पाक के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर भड़की कांग्रेस, जयराम रमेश बोले- स्वघोषित विश्वगुरु की...

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को अमेरिकी और पाकिस्तानी सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने भारत की विदेश नीति की विफलता को उजागर किया है। पाकिस्तान और अमेरिकी सेनाओं ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट–2026' नामक

संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया था। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'स्वयं को विश्वगुरु कहने वाले भारत की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका देते हुए अमेरिकी केंद्रीय कमान ने अभी–अभी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट' नामक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है।' कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'जून 2025 में तत्कालीन अमेरिकी केंद्रीय कमान प्रमुख जनरल माइकल कुनिला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को एक 'असाधारण सहयोगी' बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अपनी गहरी प्रशंसा बार–बार जताई।

ई–ऑफिस में लापरवाही पर प्रदेशभर के 900 अफसरों–कर्मचारियों का वेतन रोका, प्रयागराज के बीएसए का भी नाम शामिल

प्रयागराज। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ई–ऑफिस प्रणाली पर नियमित कार्य न करने पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ई–ऑफिस प्रणाली पर नियमित कार्य न करने पर कड़ी कार्रवाई की गई है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि प्रदेशभर के 900 अधिकारी और कर्मचारी जो ई–ऑफिस पर कार्य नहीं कर रहे हैं, उन्हें तब तक वेतन नहीं मिलेगा, जब तक वे

इस प्रणाली पर नियमित रूप से काम शुरू नहीं करते। प्रयागराज में बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार सहित 22 अफसरों व कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है।

इस संबंध में बीएसए अनिल कुमार का कहना है कि जिले में डिजिटल कार्य सुचारू रूप से संचालित है। वे स्वयं भी ई–ऑफिस पोर्टल पर कार्य कर रहे हैं। सूची में उनका नाम कैसे शामिल हुआ, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन रोका गया है, उनमें खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार कनौजिया, जिला समन्वयक राजीव कुमार त्रिपाठी, विकास पांडेय, संतोष तिवारी, अभिनव सिंह, अमित कुमार सक्सेना, हिमांशु सिंह सहित अन्य शामिल हैं।

मौनी अमावस्या पर भी रेलवे चलाएगा ऑन डिमांड ट्रेनें, रिंग रेल समेत 14 स्पेशल ट्रेनों का हुआ संचालन

प्रयागराज। मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मौके पर भी रेलवे ऑन डिमांड ट्रेनों का संचालन करेगा। उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और उत्तर रेलवे द्वारा जिस रूट पर भीड़ होगी उसी रूट पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर दिया जाएगा। मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मौके पर भी रेलवे ऑन डिमांड ट्रेनों का संचालन करेगा। उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और उत्तर रेलवे द्वारा जिस रूट पर भीड़ होगी उसी रूट पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर दिया जाएगा। वहीं, शुक्रवार को भी रेलवे द्वारा रिंग रेल समेत 14 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। दस स्पेशल ट्रेनें उत्तर मध्य रेलवे ने, तीन पूर्वोत्तर रेलवे ने और एक उत्तर रेलवे ने संचालित की। वहीं, मौनी अमावस्या को लेकर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी शुक्रवार को इजाफा हुआ। मध्य प्रदेश, झांसी एवं बांदा रूट से काफी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर उतरे। गोरखपुर, वाराणसी रूट से भी काफी यात्रियों का आगमन हुआ। इस बीच प्रयागराज जंक्शन पर तमाम पाबंदियां लागू रहीं। शुक्रवार को भी सिविल लाइंस साइड से यात्रियों को प्रवेश नहीं दिया गया। इस दौरान सिटी साइड से यात्रियों को प्रवेश व सिविल लाइंस साइड से निकासी दी गई। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि अब सारा फोकस मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर है। इस स्नान पर्व पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो सकता है। स्पेशल ट्रेनों के 50 से ज्यादा रेक यहां तैयार हैं। इसके अलावा खुसरोबाग होल्डिंग एरिया का भी ज्यादा भीड़ बढ़ने पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अमावस्या के मौके पर ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की तैयारी है।

ईरान में हैं संगमनगरी के 500 से अधिक लोग, संपर्क नहीं होने से परिजन परेशान

प्रयागराज। संगमनगरी से ईरान में कारोबार करने गए लोगों और वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों समेत करीब 500 से अधिक लोग हैं, जिनसे संपर्क टूट गया है। ईरान के बिगड़ते हालात को देखते हुए घर वाले अपनों को वापस बुलाना चाह रहे हैं। संगमनगरी से ईरान में कारोबार करने गए लोगों और वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों समेत करीब 500 से अधिक लोग हैं, जिनसे संपर्क टूट गया है। ईरान के बिगड़ते हालात को देखते हुए घर वाले अपनों को वापस बुलाना चाह रहे हैं। परेशानी की बात यह है कि वहां इंटरनेट और संचार सेवाएं बाधित होने से उनसे बात नहीं हो पा रही है। इस वजह से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। वे अपनों की सलामती के लिए दुआएं मांग रहे हैं। संगमनगरी के रानीमंडी, दरियाबाद, करेली, दायरा शाह अजमल, हंडिया, मऊआइमा समेत कई इलाकों के लोग ईरान के कुम, तेहरान और मशहद समेत अलग–अलग शहरों में हैं। इनमें अधिक संख्या छात्रों की

है, जो वहां पढ़ाई करने गए हैं। वहीं, बहुतेरे ऐसे हैं जो धार्मिक यात्रा या कारोबार करने के सिलसिले में वहां गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से भारतीय नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह ने परिजनों की बेचैनी बढ़ा दी है। दायरा शाह अजमल के शाहिद अस्करी ने बताया कि उनकी बहन तलत अस्करी और बहनोई जिया अब्बास ईरान में हैं, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। यहां से भांजा अदनान और भांजी इमा फातमी भी जियारत करने करबला गए थे। दोनों सकुशल वापस आए लेकिन बहन–बहनोई से संपर्क नहीं हो पा रहा है। अस्करी के मुताबिक, जिले के 500 से अधिक लोग ईरान में हैं। हंडिया के भोपतपुर निवासी मजाहिर अली ने बताया कि उनका भाई कुशा अली पढ़ाई करने ईरान गया है। वहां के हालात ठीक नहीं हैं। हमारे साथ घर वाले भी परेशान हैं लेकिन संपर्क नहीं हो पा रहा है। दांदूपुर के वजीर हसन के भाई निसार हसन ने बताया कि करीब पंद्रह दिन पहले कुछ सेकेंड के लिए कॉल लगी थी, उसके बाद से भाई से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसके लिए अब दूतावास से संपर्क करेंगे। रानीमंडी के जीशान आब्दी, दायरा शाह अजमल के मौलाना अम्मार समेत बड़ी संख्या में छात्र भी उन लोगों में शामिल हैं जो ईरान के अलग–अलग शहरों में फंसे हैं। रानी मंडी के ही मौलाना जीशान हैदर भी उन लोगों में शामिल हैं जिनका अपनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। उनके भाई बारबर नदीम ने बताया कि मोबाइल या वीडियो कॉल के जरिए बात नहीं हो पा रही है। वहीं, शाहिद अस्करी ने बताया कि वहां के हालात से चिंता बढ़ती जा रही है। हम उनकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। परेशानी तब बढ़ जाती है, जब इंटरनेशनल कॉल भी ड्रॉप हो जाती है।

राकेश टिकैत बोले– विधानसभा चुनाव में मायावती भाजपा के इशारे पर देंगी टिकट, भाकियू किसी का नहीं करेगा समर्थन

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती और केंद्र सरकार पर तीखे राजनीतिक आरोप लगाए हैं।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती और केंद्र सरकार पर तीखे राजनीतिक आरोप लगाए हैं। माघ मेले के दौरान आयोजित किसान चिंतन शिविर में शुक्रवार को उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव –2027 में मायावती टिकट वितरण भी भाजपा के इशारे पर करेंगी। उनका आरोप था कि इससे पहले के चुनावों में भी बसपा ने भाजपा के संकेत पर ही राजनीतिक फैसले लिए हैं।

राकेश टिकैत ने स्पष्ट किया कि भारतीय किसान यूनियन किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करती है। वोट पड़ने ही नहीं दिए जाते और जिसे चाहती है, उसे जीत का प्रमाण पत्र थमा दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि किसानों

की समस्याओं को लेकर पूरे देश में संघर्ष करने वाला उनका संगठन एकमात्र मजबूत मंच था लेकिन सरकार को यह स्वीकार्य नहीं हुआ। सरकार ने रणनीति के तहत संगठन को कमजोर करने के लिए अलग–अलग हिस्सों में हजार से अधिक किसान यूनियन खड़ी कर दीं।

ईडी को बताया केंद्र सरकार का थानेदार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को लेकर राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी अब सरकार का थानेदार बन चुका है और चुनावी रंजिश में एक हथियार के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को घेरने की तैयारी के तहत उनके दल से जुड़े लोगों के यहां छापे मारे गए और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर लिए गए।

38 वर्षों से माघ मेले में किसानों की सहभागिता

प्रयागराज। राकेश टिकैत ने कहा कि माघ मेला हो या कुंभ मेला, पिछले 38 वर्षों से देश भर के किसान संगम स्नान के लिए प्रयागराज आते रहे हैं। झारखंड, बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों किसान यहां जुटते हैं। इस दौरान बिजली, सिंचाई, फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भूमि मुआवजा और गन्ने के दाम जैसे मुद्दों पर विचार–विमर्श होता है। उन्होंने कहा कि देश के किसान 24 प्रकार की फसलें उगाते हैं लेकिन अधिकांश मामलों में उन्हें न तो लाभ मिल पा रहा है और न ही लागत निकल रही है। कहा कि हम माघ मेले में आयोजित चिंतन शिविर के माध्यम से मांग करेंगे कि लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत लाभ जोड़ कर समर्थन मूल्य तय किया जाए।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक फरार, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। यह घटना चौफटका पुल पर तब हुई जब बलुआ घाट सब्जी मंडी निवासी अजीत सिंह अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

प्रयागराज के चौफटका पुल पर एक बार फिर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना चौफटका पुल पर तब हुई जब बलुआ घाट सब्जी मंडी निवासी अजीत सिंह अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया।

आरोपी फरार, पुलिस की तलाश जारी

हादसे को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से अपनी कार लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने घायल अजीत सिंह को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अब आरोपी कार चालक और उसकी कार की तलाश में जुटी हुई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मौनी अमावस्या पर 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना, तैयारियां पूरी

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। मेले में एक अतिरिक्त स्नान घाट 'काली पार्ट–दो' का विस्तार किया गया है। मौनी अमावस्या पर साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। मेले में एक अतिरिक्त स्नान घाट 'काली पार्ट–दो' का विस्तार किया गया है। लखनऊ और अयोध्या की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नागवासुकि क्षेत्र में ही स्नान की व्यवस्था की जा रही है जिससे संगम क्षेत्र पर दबाव कम किया जा सके। शुक्रवार तड़के से ही स्नान का क्रम शुरू हो गया। संगम नोज के अलावा नैनी के अरैल, झूंसी और संगम क्षेत्र के प्रमुख स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

एक अनुमान के अनुसार शुक्रवार को 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जबकि प्रशासन के मुताबिक देर शाम तक 25 से 30 लाख लोगों की मेला क्षेत्र में मौजूदगी दर्ज की गई। इसमें काफी संख्या में कल्पवासी भी शामिल रहे। मौनी अमावस्या के मुख्य स्नान पर्व को लेकर देश–विदेश से श्रद्धालुओं का प्रयागराज पहुंचने

का सिलसिला जारी है। शनिवार और रविवार को अवकाश होने से भीड़ में इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है।

मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि मेला क्षेत्र को नौ सर्किल में विभाजित किया गया है। भीड़ प्रबंधन के लिए 16 होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं और लगभग 250 हेक्टेयर क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। प्रमुख स्नान पर्व पर तीन से साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना है। इस ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था, डायवर्जन, एआई आधारित सर्विलांस और भीड़ प्रबंधन को और मजबूत किया गया है।

इसके साथ ही जल यातायात योजना, रेडियो संचार, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, सॉफ्ट स्किल, पांटून पुल, अग्निशमन, सुरक्षा, अभिसूचना और साइबर अपराध से संबंधित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग

गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या ज्योतिष पीठम के निदेशक आचार्य विवेक उपाध्याय के अनुसार, इस बार मौनी अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इसे अत्यंत फलदायी माना जा रहा है। 17 जनवरी की रात 11रू53 बजे से अमावस्या तिथि प्रारंभ होकर 18 जनवरी की रात 1रू09 बजे तक रहेगी। इस अवधि में किया गया स्नान, व्रत, ध्यान, जप और हवन विशेष पुण्य फल प्रदान करने वाला

हाईटेक सर्वर पर अपलोड हुआ 40 अपराधियों का डाटा, सीमा में प्रवेश करते ही जारी हो जाएगा अलर्ट

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान पकड़े गए 40 अपराधियों का डाटा आरपीएफ के हाईटेक सर्वर पर अपलोड कर दिया गया है। जैसे ही इनमें से कोई भी अपराधी जंक्शन की सीमा में प्रवेश करेगा, आरपीएफ कंट्रोल रूम में तत्काल अलर्ट जारी हो जाएगा। महाकुंभ के दौरान पकड़े गए 40 अपराधियों का डाटा आरपीएफ के हाईटेक सर्वर पर अपलोड कर दिया गया है। जैसे ही इनमें से कोई भी अपराधी जंक्शन की सीमा में प्रवेश करेगा, आरपीएफ कंट्रोल रूम में तत्काल अलर्ट जारी हो जाएगा। यह मुमकिन हुआ है अत्याधुनिक फेस रिकग्निशन (चेहरा पहचानने वाली) तकनीक से। प्रयागराज जंक्शन पर लगे 328 कैमरों में से 30 खास कैमरे पलक झपकते ही अपराधी की पहचान कर लेंगे। स्क्रीन पर बदमाश का फोटो, उम्र और लंबाई समेत पूरी जानकारी आ जाएगी। आरपीएफ के सिक्योरिटी मैनेजमेंट सिस्टम में पहले से ही दो हजार अपराधियों का डाटा फीड है जिससे अब अपराधियों के लिए जंक्शन पर छिपना नामुमकिन हो गया है।

नगर निगम में सुंदरकांड पाठ एवं प्रसाद का वितरण हुआ

प्रयागराज। नगर निगम में सुन्दर कांड पाठ एवं प्रसाद वितरण का भव्य आयोजन किया गया जिसमें नगर निगम मुख्यालय सामान्य स्टोर विभाग में स्थापित हनुमान जी के मन्दिर में नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा ष्सुन्दरकांड पाठ" आयोजित किया गया सुन्दरकांड पाठ/कार्यक्रम का शुभारम्भ नगर आयुक्त श्री साई तेजा के द्वारा किया गया अदभुत संगीत और साउंड से

नगर निगम कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने भक्तिमय होकर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ तथा भजन किया इसी कड़ी में मा० महापौर उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी तथा नगर आयुक्त एवं अन्य सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप आरती के पश्चात समापन किया गया, तत्पश्चात् "विशाल प्रसाद वितरणष् कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें विशेष रूप से अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता मुख्य कर निधारण अधिकारी/जनसंपर्क अधिकारी, सभी पार्षदगण नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष समस्त कर्मचारी एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मा. न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया वन्दे मातरम् चित्रकला कार्यशाला का भव्य उद्घाटन

संयोजक कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा तथा मेंटोर डॉ सचिन सैनी के निर्देशन में शुरू हुई कला कार्यशाला

प्रयागराज। माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस के अतर्गत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में वंदे मातरम पर आधारित चित्रांकन हेतु तीन दिवसीय वंदे मातरम कला कार्यशाला का उद्घाटन माघ मेले के

संस्कार भारती शिविर में फीता काटकर एवं कैनवस पर चित्रण करके भव्य उद्घाटन किया और कहां कि वंदे मातरम बोलने मात्र से ही शरीर में देशभक्ति की भावना की लहर दौड़ जाती है । कार्यशाला के संयोजक सुविख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एवं विशिष्ट अतिथि ज्योति मिश्रा का स्वागत अंग वस्त्र एवं पुष्पदान से किया। महामंत्री विभव शंकर मिश्रा ने कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। कार्यशाला के मेंटोर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सचिन सैनी के निर्देशन में चित्रकार शुभम कुशवाहा, सौरभ सोनी, सर्वेश पटेल, प्रिया सिंह एवं युग सिंह वंदे मातरम थीम पर स्केचिंग की शानदार शुरुआत की उत्तर प्रदेश सरकार राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र व निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा को बधाई दी। उद्घाटन अवसर पर संस्कार भारतीय प्रयागराज के पदाधिकारी दीपक शर्मा, सुशील राय, योगेंद्र मिश्र विश्वबंधु ,ज्योति मिश्रा, विभव मिश्रा ने कलाकारों के ड्राइंग की तारीफ की।

आईफोन गिरकर टूटा, बीमा कंपनी ने किया टालमटोल...अब ब्याज समेत भुगतान करना होगा

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मोबाइल बीमा दावा लंबित रखने के मामले में बीमा कंपनी को सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग ने कंपनी को क्षतिग्रस्त मोबाइल की आंकी गई क्षति राशि 25 हजार रुपये आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित देने का आदेश दिया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मोबाइल बीमा दावा लंबित रखने के मामले में बीमा कंपनी को सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग ने कंपनी को क्षतिग्रस्त मोबाइल की आंकी गई क्षति राशि 25 हजार रुपये आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित देने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम, सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी व सरला की पीठ ने अनुज सोनकर की ओर से दायर परिवाद पर दिया। कीडगंज निवासी अनुज सोनकर ने चार जून 2015 को एक नामी स्टोर से आईफोन–6 51,895 रुपये में खरीदा था। मोबाइल का थेफ्ट एवं एक्सीडेंटल डैमेज बीमा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से कराया था। 14 दिसंबर 2015 को एक पार्टी के दौरान मोबाइल हाथ से गिर गया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। उसे बनवाने में कुल 25,000 रुपये का खर्च आया। याची ने औपचारिकताएं पूरी कर 22 मार्च 2016 को बीमा दावा प्रस्तुत किया पर कोई भुगतान नहीं किया गया। बीमा कंपनी की ओर से दलील दी गई कि परिवादी ने पॉलिसी का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। यह नो इंश्योरेंस पॉलिसी का मामला है। साथ ही घटना की तिथि पर वैध पॉलिसी न होने के कारण बीमा कंपनी से न तो कोई दावा किया जा सकता है और न ही कंपनी के खिलाफ परिवाद चलाया जा सकता है। आयोग ने बीमा पॉलिसी और थेफ्ट एंड एक्सीडेंटल डैमेज सर्टिफिकेट के आधार पर परिवाद को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए बीमा कंपनी को क्षति की आंकी गई राशि 25,000 रुपये परिवाद दाखिल करने की तिथि से आठ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज पर भुगतान करने का आदेश दिया।

कल्पवासियों की थाली में लौटा मोटा अनाज, सेहत और साधना दोनों का सहारा

प्रयागराज। माघ मेला भारतीय जीवनशैली की उस परंपरा का जीता जागता उदाहरण है, जहां संयम, साधना और सात्विक आहार को जीवन का आधार माना गया है। संगम तट पर कल्पवास कर रहे हजारों श्रद्धालु की थाली में एक बार फिर बाजरा, मक्का और चना जैसे मोटे अनाज दिखाई देने लगे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह–2025

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को किया गया सम्मानित, जोधपुर मण्डल को मिली महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा शुक्रवार, दिनांक 16.01.26 को 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह –2025 मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को व्यक्तिगत पुरस्कार से सम्मानित किया तथा उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों/यूनिटों को अलग–अलग कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 21 शील्ड प्रदान किये।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह –2025 उत्सव भवन, रेलवे अधिकारी क्लब, जगतपुरा, जयपुर में मनाया गया। श्री अमिताभ, महाप्रबन्धक द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 70वें राष्ट्रीय अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 2025 में पुरस्कृत उत्तर पश्चिम रेलवे के 05 रेलकर्मियों का अभिनन्दन किया गया तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदत्त संपूर्ण कार्य कुशलता के लिए गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, वैगन मेंटेनेंस शील्ड एवं रनिंग रूम शील्ड को मंच पर प्रदर्शित किया गया।

70वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने

उत्तर पश्चिम रेलवे के 54 रेलकर्मियों को विशिष्ट रेलसेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मण्डलों एवं कारखानों को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये कुल 21 उत्कृष्टता शील्ड प्रदान की गई, जिसमें जोधपुर मण्डल को 06, अजमेर मंडल को 05, बीकानेर मंडल को 04 एवं जयपुर मंडल को 04 शील्ड प्रदान की गई। इसके साथ ही जोधपुर कारखाने को पर्यावरण प्रबन्धन एवं स्वच्छता शील्ड प्रदान की गई तथा सर्वश्रेष्ठ कारखाना शील्ड बीकानेर कारखाना एवं अजमेर कैरिज कारखाना को संयुक्त रूप से प्रदान की गई।

इस वर्ष जोधपुर मण्डल को महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड दे कर सम्मानित किया गया है तथा

अजमेर मण्डल को रनर अप शील्ड प्रदान की गई।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रदीप कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया।

श्री अमिताभ, महाप्रबंधक–उत्तर पश्चिम रेलवे ने समारोह के दौरान उपस्थित रेलकर्मियों व उनके परिजनों को सम्बोधित करते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे की प्रगति हेतु सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को भारतीय रेल में श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने के लिये बधाई दी। महाप्रबन्धक श्री अमिताभ ने अपने उद्बोधन में सभी अति विशिष्ट और विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार विजेताओं तथा शील्ड प्राप्त करने वाले मण्डलों एवं यूनिटों को बधाई देते हुए कहा कि माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के रेलकर्मियों से की गई अपील के अनुसार हमें वर्ष 2026 के लिए "52 सप्ताह 52 सुधार" के अन्तर्गत हर सप्ताह एक बड़ा सुधार लागू करना है। ग्राहक सेवा, रख–रखाव, उत्पादन, गुणवत्ता प्रबन्धन और परिचालन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समयबद्ध सुधार करने हैं।

समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई।

इस अवसर पर श्री अशोक माहेश्वरी, अपर महाप्रबंधक, डॉ. अंजु, अध्यक्षा उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन के पदाधिकारीगण, ट्रेड यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण तथा उत्तर पश्चिम रेलवे के कई अधिकारी, कर्मचारी तथा उनके परिजन उपस्थित रहे।

महाप्रबन्धक महोदय द्वारा निम्न उत्कृष्टता शील्डें प्रदान की गई

महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड – 'जोधपुर मण्डल'

जोधपुर मण्डल
1. वाणिज्य – वाणिज्य शील्ड
2. विद्युत – इलेक्ट्रीक इंजीनियिरिंग शील्ड
3. इंजीनियरिंग – सिविल इंजीनियरिंग शील्ड
4. सिगनल एवं टेलीकॉम – सिगनल एवं टेलीकॉम शील्ड
5. निर्माण – सर्वश्रेष्ठ गति शक्ति यूनिट शील्ड
6. यांत्रिक – यांत्रिक (कैरिज एवं वैगन) शील्ड

अजमेर मण्डल
1. वाणिज्य – रेल मदद शील्ड
2. वाणिज्य – टिकट चौकिंग शील्ड
3. कार्मिक– कार्मिक शील्ड
4. संरक्षा– संरक्षा शील्ड
5. राजभाषा – राजभाषा शील्ड

बीकानेर मण्डल
1. विद्युत – बेस्ट रनिंग रूम शील्ड (हिसार रनिंग रूम)
2. इंजीनियरिंग – ट्रेक, आरओबी/आरयूबी एवं संरक्षा कार्य शील्ड
3. चिकित्सा – कम्प्रहेंसिव हेल्थकेयर शील्ड
4. निर्माण – निर्माण इन्फ्रास्ट्रक्चर शील्ड

जयपुर मण्डल
1. लेखा – लेखा एवं वित्त मैनेजमेन्ट शील्ड
2. परिचालन – यातायात परिवहन शील्ड
3. सुरक्षा – सुरक्षा शील्ड
4. भण्डार – भण्डार शील्ड

कारखानों को दी गई शील्ड
1. यांत्रिकी – पर्यावरण प्रबन्धन एवं स्वच्छता शील्ड (जोधपुर कारखाना)
2. यांत्रिकी – सर्वश्रेष्ठ कारखाना शील्ड (बीकानेर कारखाना एवं अजमेर कैरिज कारखाना को संयुक्त रूप से)

आओ चलें प्रयाग

(छप्पय)

सूरज का उपवास,घुमक्कड़ बादल आये।
शशी करते आराम, रजाई सबको भाये।
शीतल हुई बयार, माघ ने कथा सुनाई।
आओ चलें प्रयाग, पुण्य की करें कमाई।
संगम पर कुटिया बना, दर्शन गंगा का करें।
सत्संग में भी बैठकर, मुनियों की बातें सुनें।

सन्त महन्त दिगन्त भक्त मुनि ज्ञानी कहते।
श्रद्धा मुक्ति विधान जहाँ से मुनिवर रचते।
पावन है स्थान, त्रिवेणी जिसको रचती।
मकर अमा के साथ पूर्णिमा सुन्दर लगती।
श्रद्धा सेवा भाव का अनुपम यह स्थान है।
सुन लो कहें प्रदीप कवि धरती का सुरधाम है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भाकियू अन्नदाता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ खोला मोर्चा

किशनपुर गांव में अपनी मांगों को लेकर अन्नदाताओं का अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन

महावन तहसील सहित अन्य तहसीलों में नहीं बांटी गई घरौनियां

सरकारी योजनाओं में लगाया जा रहा पलीता किसानों को दिया जा रहा लॉलीपॉप

महावन क्षेत्र में किसानों के खेतों को सस्ते दामों में लेकर बनाई जा रही अवैध कॉलोनियां: भूरा पहलवान

मथुरा।भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान एवं जिला अध्यक्ष जीतू जोशी के नेतृत्व में सैकड़ों किसान महावन तहसील के गांव किशनपुर में यमुना एक्सप्रेसवे के निकट भ्रष्टाचार के खिलाफ एवं अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गए।

भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के पदाधिकारियों ने तहसील पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया और कहा कि मथुरा जनपद में तहसील स्तर पर किसानों का शोषण किया जा रहा है उनकी समस्याओं की अनदेखी कर बुरा बर्ताव किया जाता है।

अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने कहा कि महावन तहसील क्षेत्र में तहसील प्रशासन की मिली भगत से किसानों से सस्ती जमीन खरीद कर अवैध कॉलोनियां का निर्माण किया जा रहा है इस पर रोक लगाकर दोषियों पर कार्यवाई की जाए।

राजपुर खादर क्षेत्र के किसानों के निरस्त किए पट्टे बहाल किए जाए। सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर सभी ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान एवं ओपन जिम का निर्माण कराया जाए। अमृत सरोवर योजना के तहत तालाबों का सौंदर्यीकरण करके साफ सफ़ाई करवाई जाए इस योजना के लाभ से काफी गांव वंचित हैं किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त विद्युत सप्लाई उपलब्ध कराई जाए विद्युत कटौती से किसानों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिलाध्यक्ष जीतू जोशी ने कहा कि जनपद में सरकारी भूमि से अवैध कब्जे को हटवाया जाए, ग्राम सिहोरा की एक गली कीचड़ युक्त है एवं बलदेव के ग्राम कचनावा से बरौली तक कीचड़ युक्त मार्ग है जिसके कारण मॉडर्न पब्लिक स्कूल में छात्र छात्राएं नियमित रूप से विद्यालय जाने में असमर्थ हैं लेकिन ब्लॉक से लेकर बार बार शिकायत करने पर भी जिला प्रशासन इस समस्या की अनदेखी कर रहा है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बलदेव से कचनाऊ के सड़क मार्ग को चौड़ीकरण नहीं कराया जा रहा है जिसका ठेका लेने वालों की जांच होनी चाहिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जे एस जाट एवं मंडल अध्यक्ष गोपाल सिकरवार ने कहा कि जनपद के प्रत्येक ग्राम में पशु चिकित्सालय की व्यवस्था होनी चाहिए क्योंकि इसके इलाज के अभाव में पशुओं की अकाल मौत हो रही है। निराश्रित गौ वंश किसानों की फसल बर्बाद कर रहे हैं एवं सड़कों पर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं इनकी व्यवस्था प्रशासन गौशालाओं में नहीं कर रहा है इसलिए अपनी विभिन्न समस्याओं से दुखी होकर अन्नदाता अनिश्चित कालीन धरना देने पर मजबूर है।

बीएमसी चुनाव में भाजपा महायुति की प्रचंड व ऐतिहासिक जीतः महापौर

प्रयागराज। नगर निगम मुख्यालय प्रयागराज में मा० पार्षद गण एवं समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 में भाजपादृमहायुति की प्रचंड व ऐतिहासिक जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। यह विजय मुंबई की जनता के विश्वास, विकास और मजबूत नेतृत्व पर लगी मुहर है। इस

अवसर पर आप सभी के द्वारा महापौर गणेश केशरवानी को विशेष तौर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी क्योंकि अभी हाल ही में चुनाव से पहले महापौर गणेश केशरवानी जी ने भविष्यवाणी की थी जो सच हुआ इस अवसर पर मा० पार्षद गण ,समर्पित कार्यकर्ताओं एवं विभाग के लोगों ने उन्हें माला पहना कर उनका स्वागत किया महापौर ने कहा कि महाराष्ट्र के बृहन्मुंबई के सम्मानित नागरिकों को मेरा हृदय से धन्यवाद जो उन्होंने भाजपा पर भरोसा किया अब महाराष्ट्र में विकास की तस्वीर दिखाई देगी।

माघ मेला 2026
आवश्यक सूचना
रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

यह जरूर करें
- अपने साथ के छोटे बच्चों तथा वृद्धजनों की जेब में घर के किसी सदस्य का नाम, मोबाइल नंबर तथा घर का पूरा पता कागज पर लिखकर रख दें, जिससे खो जाने पर आसानी से उन्हें आपके पास पहुंचाया जा सके। इसी प्रकार अपने अटैची व बैग में भी पूरा पता लिखी हुई पर्ची अवश्य रखें।
- जेबकतरों व असामाजिक तत्वों से सतर्क रहें तथा अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें। यात्रा के दौरान सूटकेस, अटैची आदि सामान को सीट अथवा बर्थ से लगी हुई चेन में बांधकर उसमें ताला लगा कर रखें।
- खड़े होने तथा बैठने के स्थान व आस–पास के व्यक्तियों को सावधानी पूर्वक देख लें, कहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति/सामान तो नहीं है। किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु होने पर निकटतम पुलिसकर्मी से मदद लें और उसकी सूचना तुरंत दें।
- गाड़ियों के स्टेशन से रवाना होते समय यात्रीगण अपने पहने हुए जेवरात तथा अन्य कीमती सामान के प्रति सचेत रहें।
- अपना सामान केवल कुलियों अथवा यात्री सुविधा केंद्र के कर्मियों के द्वारा ही ले जाएं तथा उनका बैज नंबर अवश्य नोट करें।
- किसी भी घटना या परेशानी के लिए तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल से सहायता प्राप्त करें।

यह बिल्कुल न करें
- किसी भी लावारिस वस्तु को न छुएं, यह बम अथवा अन्य विस्फोटक वस्तु हो सकती है। इसकी सूचना तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस/रेलवे सुरक्षा बल कर्मी अथवा 139 पर अवश्य दें।
- किसी अपरिचित व्यक्ति द्वारा दी गई खाने–पीने की वस्तु का उपयोग न करें इसमें जहर हो सकता है। खाने–पीने का सामान अधिकृत वेंडरों से ही खरीदें।
- चलती गाड़ी को रोकने के लिए अनावश्यक चेन खींचना अपराध है। ऐसा करने पर जुर्माना तथा जेल दोनों हो सकती है।
- टिकट हमेशा टिकट खिड़की, ए.टी.वी.एम. अथवा रेलकर्मी के पास उपलब्ध मोबाइल टिकटिंग मशीन से ही खरीदें, किसी अनाधिकृत व्यक्ति से नहीं।
- स्टेशन एवं ट्रेन के डिब्बे को गंदा ना करें, इससे बीमारी फैल सकती है तथा दण्डनीय अपराध है।
- ट्रेन की छत पर यात्रा न करें, क्योंकि ऊपर लगे उच्चदाबीय विद्युत तारों से आपकी जान को खतरा हो सकता है।
- स्टेशन परिसर में कृपया धूम्रपान न करें, इससे आग लगने का खतरा रहता है तथा यह दण्डनीय अपराध भी है।
- ट्रेन में यात्रा करने के लिए टिकट क्रय करने हेतु किसी भी व्यक्ति को अतिरिक्त पैसा न दें।
- जरूरत से अधिक सामान लेकर न चलें, यात्रा में कठिनाई हो सकती है।

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट http://melarailseva.com/digital पर जायें या नीचे दिया गया QR स्कैन करें।
माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139
अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें।
UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें
कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।
उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान
नोटः– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 105/26 (ADM)

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा निविदा सूचना
दिनांक 15.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदा, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है -
GeM बिड संख्या: GEM/2026/B/7115771 Dated: 15.01.2026
कार्य का नाम-कानपुर कोचिंग डिपो और परिसर क्षेत्र की मशीनीकृत मैन्युअल सफाई का व्यापक कार्य चार वर्षों की अवधि के लिए।
निविदा सिस्टमः दो पैकेट सिस्टम | कार्य का अनुमानित लागत (रु.में): 41648032
EMD(रु.): 358240 | ई-निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य | कार्य की अवधिः 04 वर्ष
GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 15.01.2026, निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 06.02.2026 को 15:00 बजे, नोटः 1. अपेक्षित ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.GeM.gov.in पर बनी रहेगी, निविदा बंद होने की नियत तिथि तक। 2. अपेक्षित निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 111/26 (D)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

माघ मेला 2026
आवश्यक सूचना
रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी
अपने गन्तव्य स्थान की ओर जाने वाली स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए सम्बन्धित स्टेशन पर ही पहुँचें।

दिशा	गाड़ी मिलने का स्टेशन
मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, पटना, गया की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना, जबलपुर की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
कानपुर, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
लखनऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर, अयोध्या की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, बलिया की ओर	प्रयागराज रामबाग झूसी

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा

क्र.सं.	पर्व का नाम	तिथि	दिन	यातायात प्रतिबंध की अवधि
1	मौनी अमावस्या	18-01-2026	रविवार	दिनांक – 20.01.2026 को 24:00 बजे तक
2	बसन्त पंचमी	23-01-2026	शुक्रवार	दिनांक – 22.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 25.01.2026 को 24:00 बजे तक
3	माघी पूर्णिमा	01-02-2026	रविवार	दिनांक – 31.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 03.02.2026 को 24:00 बजे तक
4	महाशिवरात्रि	15-02-2026	रविवार	दिनांक – 14.02.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 17.02.2026 को 24:00 बजे तक

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट https://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।
माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139
अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें।
UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।
कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।
उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान
नोटः– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 106/26 (AS)
@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एक संख्या 132 केवी, 3-फेज, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। उक्त ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण मौजूदा 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के टॉवर संख्या 147 (DD+0) से प्रारंभ होकर 132/2×25 केवी ट्रैक्शन सब-स्टेशन (TSS), सिराथु तक किया जाएगा। यह ट्रांसमिशन लाइन ग्राम सिराथु और बनपुरवा गांव, चक मोचारा से होकर गुजरेगी तथा 132/2×25 केवी टीएसएस, सिराथु पर समाप्त होगी। ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के दौरान यदि किसी भूमि, फसल अथवा वृक्ष को क्षति होती है, तो संबंधित भूमिधर को जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मुआवजा प्रदान किए जाने का प्रावधान है। यह ट्रांसमिशन लाइन विद्युत रेलगाड़ियों के संचालन हेतु आवश्यक है। यह कार्य रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन आयोजित/निष्पादित किया जा रहा है।
सिराथु
No. EL-C-PRYJ/05-25-26
दिनांक 15.01.2026
स्थान- प्रयागराज।
107/26(DG)
(कुंवर सिंह)
उप मुख्य विद्युत अभि0 / मुख्य0 / पी0
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज।
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2026 Dated: 15.01.2026
ई-नीलामी के लिए सूचना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों/लोकेशन पर विभिन्न प्रकार की निविदाओं हेतु अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है। जिनका विवरण निम्नवत हैः-

S. No. : 1 | E-Auction Catalogue No. : AC-WR-SFG-01-26
Details of publicity: सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं सहित वातानुकूलित प्रतीक्षालयों के साज-सज्जा, रखरखाव एवं संचालन (मैनिंग) तथा बहुउद्देश्यीय स्टॉल एवं पर्यटक कियोस्क की व्यवस्था हेतु ई-नीलामी।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 11:00 Hrs.

S. No. : 2 | E-Auction Catalogue No. : MSS-NFR-ACTIVIT
Details of publicity: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत प्रयागराज-छिवकी एवं नैनी, मिर्जापुर एवं विंध्याचल रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर नामकरण अधिकार (Naming Rights) प्रदान करने के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विज्ञापन/ब्रांडिंग कार्य हेतु अनुबंध, अवधि तीन (03) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 3 | E-Auction Catalogue No. : MSS-NFR-ACTIVIT
Details of publicity: कानपुर एवं सूबेदारगंज रेलवे स्टेशनों पर पार्सल तथा अन्य पैकिंग कार्य हेतु अनुबंध, अवधि तीन (03) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 4 | E-Auction Catalogue No. : MSS-NFR-ACTIVIT
Details of publicity: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत फतेहपुर (दोनों ओर) एवं सूबेदारगंज सुप्रीम सिटी साइड रेलवे स्टेशन पर 24×7 यात्रियों को सेवाएं प्रदान करने हेतु फूड वैन की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव का कार्य, अवधि पाँच (05) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 5 | E-Auction Catalogue No. : NFR-ADVT-PRYJ-0
Details of publicity: प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आउट ऑफ होम (Out of Home) नीति के अंतर्गत 91 एलईडी पैनल (प्रति एलईडी पैनल क्षेत्रफल 2×2×2 = 8 वर्ग फुट) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 6 | E-Auction Catalogue No. : NFR-ADVT-PRYJ-0
Details of publicity: प्रयागराज स्टेशन (PRYJ) के प्लेटफार्म संख्या 06 पर नॉन-डिजिटल RDN के अंतर्गत पेंटिंग के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार, अवधि तीन (03) वर्ष के लिए। वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन हेतु उपलब्ध कुल क्षेत्रफल 640 वर्ग मीटर।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 7 | E-Auction Catalogue No. : NFR-ADVT-PRYJ-0
Details of publicity: प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर एलईडी स्क्रीन/टीवी (RDN डिजिटल) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन एवं रेलवे सूचना के प्रदर्शन हेतु वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार, 50:50 समय साझेदारी के आधार पर।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 8 | E-Auction Catalogue No. : NFR-ADVT-PRYJ-0
Details of publicity: प्रयागराज छिवकी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में आउट ऑफ होम (Out of Home) नीति के अंतर्गत वीडियो वॉल (20 फीट × 10 फीट) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 9 | E-Auction Catalogue No. : NFR-ADVT-PRYJ-0
Details of publicity: फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर RDN नॉन-डिजिटल के अंतर्गत वाणिज्यिक विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार।
E-Auction Start Date & Time : 19.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 10 | E-Auction Catalogue No. : MSS-ECR-PCOI-26
Details of publicity: प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर (स्टेशन भवन के सामने, COD रोड के समीप) रेल लोको रेस्टोरेंट की स्थापना एवं संचालन (24×7), ROMT आधार पर, अवधि 10 (दस) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 21.01.2026 at 11:00 Hrs.

S. No. : 11 | E-Auction Catalogue No. : MSS-ALJN-2025
Details of publicity: अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल लोको रेस्टोरेंट की स्थापना एवं संचालन (24×7), अवधि 05 (पाँच) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 23.01.2026 at 10:00 Hrs.

S. No. : 12 | E-Auction Catalogue No. : MSS-10STNs-MCK
Details of publicity: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, गोविंदपुरी, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, सूबेदारगंज, फतेहपुर, इटावा, टूंडला एवं अलीगढ़ रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल/बैकलिट विज्ञापन सहित 124 मोबाइल चार्जिंग कियोस्क की आपूर्ति, स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु ई-नीलामी, अवधि पाँच (05) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 27.01.2026 at 10:00 Hrs.

S. No. : 13 | E-Auction Catalogue No. : PRKING-CPA-MX-1
Details of publicity: कानपुर अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग हेतु अनुबंध, अवधि 05 (पाँच) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 28.01.2026 at 11:00 Hrs.

S. No. : 14 | E-Auction Catalogue No. : ADVT-CNB-OSN-26
Details of publicity: कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (FOB) में स्थित फ्लैट पर RDN नॉन-डिजिटल के अंतर्गत विनाइल स्टीकर अथवा अन्य माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार (कुल क्षेत्रफल 818 वर्ग फुट)।
E-Auction Start Date & Time : 28.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 15 | E-Auction Catalogue No. : FV-PNB-NFR-2026
Details of publicity: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत कानपुर सेंट्रल, पनकीधाम एवं गोविंदपुरी रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर नामकरण अधिकार (Naming Rights) प्रदान करने के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विज्ञापन/ब्रांडिंग कार्य हेतु अनुबंध, अवधि तीन (03) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 28.01.2026 at 12:00 Hrs.

S. No. : 16 | E-Auction Catalogue No. : FV-PNB-NFR-2026
Details of publicity: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पर साइकिल स्टैंड के समीप यात्रियों को 24×7 सेवाएं प्रदान करने हेतु फूड वैन की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव का कार्य, अवधि पाँच (05) वर्ष के लिए।
E-Auction Start Date & Time : 28.01.2026 at 12:00 Hrs.

नोटः- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 100/26(A)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

कॉलेज का कलेजा

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की कोशिशें उन्नीसवीं सदी के एक दूरदर्शी और परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया जी की स्मृति और विरासत की घोर अवहेलना को ही दर्शाती हैं। यह कॉलेज उन्हीं के नाम पर दिल्ली में स्थापित और प्रतिष्ठित है। 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक रहे सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष व समावेशी कॉलेज की स्थापना का स्वप्न साकार करना चाहा, जहां जनहित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इस संस्थान का समृद्ध इतिहास 1910 से तब शुरू होता है, जब मजीठिया जी के निधन के बारह वर्ष बाद लाहौर में इसकी स्थापना हुई थी। लेकिन आज कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी जा रही है कि एक ही नाम से दो कॉलेज और इवनिंग कॉलेज संचालित नहीं किए जा सकते हैं। यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 'संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।' इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है। निश्चित रूप से इस तरह का जोखिम कोई भी जिम्मेदार प्रशासन हल्के में नहीं लेना चाहेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संकाय सदस्यों को सिख योद्धा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कॉलेज का नाम बदलने के प्रस्ताव की जानकारी तब मिली जब पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने वीर बाल दिवस के मौके पर इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी। यहां उल्लेखनीय है कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज एक कालखंड की गरिमामय स्मृतियों को सहेजे हुए है। भारत मां के महान सपूत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने अपने सारी संपत्ति समाज के लिये समर्पित कर दी थी। उन्होंने अपना जीवन एक स्वतंत्र प्रेस, उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार के लिये एक उच्चस्तरीय कॉलेज तथा जागरूकता के लिये पुस्तकालय की स्थापना के लिये लगाया। जिसका मकसद समाज में प्रगतिशील सोच विकसित करना और अज्ञानता को समाप्त करना ही था। ऐसे में एक पुनीत उद्देश्य के लिये स्थापित कॉलेज का नाम बदलने का प्रबंधनतंत्र द्वारा इस तरह का एकतरफा निर्णय विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करता है। जिसका मूल उद्देश्य परामर्श और आम सहमति से कार्य करना होता है। इन कोशिशों के बीच कॉलेज के शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने ऐसे किसी प्रयास का विरोध करने का फैसला किया है। कर्मचारी संघ द्वारा पारित प्रस्ताव में कॉलेज की पहचान और भविष्य को प्रभावित करने वाले इस कदम को लेकर असंतोष जताया गया है। छात्रों में भी इस बात को लेकर रोष देखा गया है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होता, बल्कि सामूहिक स्मृति का संरक्षक भी होता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में भी महाविद्यालय का नाम बदलकर 'वंदे मातरम् महाविद्यालय ' रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन यह प्रयास हितधारकों के विरोध के चलते सिरे नहीं चढ़ सका था। अब बदलाव की कोशिश करने वालों को पिछले असफल प्रयास को एक सबक के रूप में देखना चाहिए था। दिल्ली विश्वविद्यालय को ऐसे किसी प्रयास से पहले विचार विमर्श करने तथा चिंतन करने की आवश्यकता है। खासकर, ऐसे वक्त में जब एक महान व्यक्तित्व का नाम और साथ ही एक सदी से अधिक की शैक्षणिक और नैतिक विरासत दांव पर लगी हो।

फर्जी खबरों, डीपफेक और इन्फ्लुएंसर्स के दौर में चुनाव

आज से लगभग दस हफ्तों के भीतर चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव होने जा रहे हैं। अगर 2019 भारत का पहला 'व्हाट्सऐप चुनाव' था और 2024 पहला 'डिजिटल–फॉरवर्ड' चुनाव, तो 2026 को इन दोनों का मिला–जुला स्वरूप कहा जा सकता है। बताया जा रहा है कि 2029 'एआई' का चुनाव होगा। मीडिया और राजनीति का उत्सुक विद्यार्थी होने के नाते इस पर मेरे कुछ विचार हैं। फेक न्यूज इसे बेलगाम पीत–पत्रकारिता ही कहा जा सकता है। सनसनीवाद आज बेरोकटोक फैलाया जाता है। चुनावों पर फेक न्यूज के असर को समझने के लिए पत्रकारिता शैली में पांच सवाल पूछने जरूरी हैं,भारत में इस शब्द की कोई कानूनी परिभाषा नहीं है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के ई–सेफ्टी कमिश्नर के अनुसार फेक न्यूज वे मनगढ़ंत खबरें हैं, जिन्हें किसी विशेष एजेंडे का समर्थन करने के लिए रचा जाता है। भारत में हर पांच में से तीन इंटरनेट यूजर ऑनलाइन ही खबरें और जानकारियां प्राप्त करते हैं। ऐसे में फेक न्यूज का तेजी से फैलना चिंताजनक है। प्यू रिसर्च सेंटर के 2025 के एक सर्वे में 65: लोगों ने फर्जी खबरों और सूचनाओं को बड़ी चिंता बताया। फेक न्यूज भारतीय चुनावों की एक संरचनात्मक विशेषता बन चुका है। भले ही वोट ऑफलाइन दिए जाते हों, लेकिन उनकी लड़ाई अब तेजी से ऑनलाइन लड़ी जा रही है। आज भारत में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं। ऐसे में चंद ही क्लिक में धारणाओं को प्रभावित करना और नैरेटिव गढ़ना संभव हो गया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और साइबरपीस के एक अध्ययन से पता चला कि सभी फेक न्यूज में से 46: राजनीतिक प्रकृति की थीं। चुनावों के आसपास फेक न्यूज चरम पर होती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2019 के चुनावी वर्ष में फेक न्यूज से जुड़े मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में 70: की वृद्धि हुई थी। डिजिटल प्लेटफॉर्म फेक न्यूज के तेज प्रसार को सक्षम बनाते हैं। छेड़छाड़ किए गए वीडियो, एआई–जनित तस्वीरें आदि तथ्य और कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं, जबकि एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को वायरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भारत में लगभग 900 निजी टीवी चैनल हैं, जिनमें से करीब आधे न्यूज के हैं। टीवी की पहुंच आज भी गहरी है– देश के लगभग 23 करोड़ घरों में टीवी मौजूद है। हालांकि हाल के वर्षों में डिजिटल माध्यम की ओर स्पष्ट झुकाव देखने को मिला है। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के साथ 'इन्फ्लुएंसर्स' की इस क्षेत्र में काफी पकड़ बन गई है। ये वे व्यक्ति हैं, जिन्हें मजबूत शोध और प्रोडक्शन टीमों का समर्थन हासिल होता है और जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत ब्रांड इक्विटी के बल पर एक बड़ी फॉलोइंग बना ली होती है। जेन–जी में केवल 13: ही 'सेलिब्रिटीज' को फॉलो करना पसंद करते हैं जबकि 86: से अधिक इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो करते हैं। इन इन्फ्लुएंसर्स की पहुंच इतनी अहम हो चुकी है कि कई वरिष्ठ राजनेताओं ने उनसे सक्रिय रूप से सम्पर्क किया है और उन्हें इंटरव्यू भी दिए हैं। केंद्र सरकार ने भी डलवब्ध के तहत 'इन्फ्लुएंसर एजेंसियों' को पेनल में शामिल कर उनके साथ काम किया है। दक्षिण भारत की एक पार्टी के दिवंगत नेता का पार्टी बैठक में अपने विशिष्ट पहनावे में 'उपस्थित' होना, फिल्म उद्योग के दो प्रमुख अभिनेताओं का प्रधानमंत्री की आलोचना करना और सबसे बड़े विपक्षी दल का समर्थन करना, इस तरह के फर्जी डिजिटल–वीडियो पिछले लोकसभा चुनावों से पहले सामने आए थे। इन्हें डीपफेक कहा जाता है और ये अब राजनीतिक दलों तथा उनके प्रचार अभियान की कमान सम्भालने वाली एजेंसियों के सबसे प्रभावी औजारों में से एक बनते जा रहे हैं।पिछले आम चुनावों में मतदान शुरू होने से पहले के साठ दिनों में मतदाताओं को पांच करोड़ एआई–जनरेटेड कॉल किए गए, जिनमें किसी राजनेता की आवाज को कृत्रिम रूप से इस तरह तैयार किया गया कि वह सीधे मतदाता से बात करता हुआ लगे। इन्हीं चुनावों के दौरान मेटा ने मुसलमानों और एक विपक्षी नेता के खिलाफ हिंसा के आह्वान वाले 14 एआई–जनरेटेड चुनावी विज्ञापनों को भी मंजूरी दी। चुनाव आयोग को ऐसे कंटेंट के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सख्त दिशानिर्देश तय करने चाहिए थे। लेकिन हाल ही में एसआईआर प्रक्रिया का जिस तरह से क्रियान्वयन किया गया, उसके मद्देनजर लगता है कि हम शायद एक गलत अपेक्षा कर रहे हैं। भारत में हर 5 में से 3 इंटरनेट यूजर ऑनलाइन ही खबरें और जानकारियां प्राप्त करते हैं। ऐसे में फेक न्यूज का तेजी से फैलना चिंताजनक है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक सर्वे में 65: लोगों ने फर्जी सूचनाओं को बड़ी चिंता बताया।

बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती से निपटने में सफल रहे हम

शशि थरूर

इस सदी की शुरुआत तक हिंसक माओवादी विद्रोह की चुनौती काफी गहरा गई थी। 'रेड कॉरिडोर' फैलता जा रहा था। नतीजा यह हुआ कि डॉ. मनमोहन सिंह के शब्दों में, यह भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बन गया। लेकिन भारत इस चुनौती से निपटने में सक्षम साबित हुआ है। रेड कॉरिडोर 2013 में 126 जिलों में फैल गया था, जो अब सिमटकर 11 जिलों तक रह गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि नक्सलवादी विद्रोह आने वाले कुछ महीनों में पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। लेकिन यह उस तरह की विनाशकारी हिंसा के चलते नहीं हुआ, जैसी श्रीलंका ने 2009 में तमिल टाइगर्स को हराने के लिए अपनाई थी। न ही भारत ने उन क्रूर तौर–तरीकों का सहारा लिया, जिनका इस्तेमाल पेरू में अल्बेर्तो फुजीमोरी ने 1990 के दशक में 'सेंदेरो लुमिनोसो' गुरिल्लाओं को कुचलने के लिए किया था। भारत ने एक परिष्कृत रणनीति बनाई, जिसमें विद्रोह के कारणों और परिणामों– दोनों को ध्यान में रखा गया। कहानी की शुरुआत भूमिहीनता, आर्थिक वंचना और हाशिये पर पड़े समुदायों– खासकर दूरदराज के, संसाधन–समृद्ध वनों में रहने वाली आदिवासी आबादी की सरकारी सेवाओं तक पहुंच के अभाव की विरासत से होती है। इसने जमींदारों के खिलाफ किसान विद्रोह को जन्म दिया। विद्रोहियों ने माओवादी सैन्य रणनीति यानी जनयुद्ध को अपनाया। 2004 में, विद्रोह के विभिन्न धड़े एकजुट होकर सीपीआई (माओवादी) बने, जिसका उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र को उखाड़ फेंकना और एक नया जनवादी राज्य स्थापित करना था। दूरस्थ इलाकों में प्रशासनिक और सुरक्षागत शून्यों का लाभ उठाते हुए सीपीआई (माओवादी) ने इन जिलों में समानांतर शासन का आभास दिया और स्वयं को पूंजीवादी शोषण के खिलाफ उत्पीड़ितों के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया। उसे नए रंगरूट मिलते रहे। लेकिन संरक्षण का यह एजेंडा अकसर हिंसा के जरिये आगे बढ़ाया गया और इसकी वित्तीय व्यवस्था लूट तथा उगाही से की गई। जून 2009 में सरकार ने सीपीआई (माओवादी) और उसके सहयोगी संगठनों को आतंकवादी घोषित किया और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। माओवादियों ने जवाब में हिंसा और तेज कर दी। 2010 में उन्होंने भारतीय अर्द्धसैनिक बलों पर सबसे घातक हमला किया, जिसमें छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 74 जवान और दो पुलिसकर्मी मारे गए। तीन साल बाद एक और हमले में उसी राज्य के कांग्रेस पार्टी नेतृत्व को ले जा रहे काफिले को निशाना बनाया गया और उसे तबाह कर दिया गया। तत्कालीन यूपीए सरकार को एहसास था कि केवल दमन से काम नहीं चलेगा और एक ऐसे नए दृष्टिकोण की जरूरत है, जो सुरक्षा चुनौती के साथ–साथ उन आर्थिक शिकायतों का भी सामना करे, जो विद्रोह को पोषित कर रही थीं। यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई कार्रवाई को 2014 के बाद गति मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार ने सुरक्षा और विकास– दोनों को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक, बहु–स्तरीय रणनीति लागू की। सरकार ने पुलिस की क्षमताओं को मजबूत करने में भारी निवेश किया– आधुनिक हथियार, बेहतर संचार उपकरण और उग्रवाद–विरोधी अभियानों के लिए विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा, पहले से दुर्गम रहे इलाकों में सैकड़ों नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए, जिससे माओवादियों के तथाकथित सुरक्षित क्षेत्र सिमटे और उनकी आवाजाही बाधित हुई। सरकार ने उगाही के नेटवर्क और अन्य अवैध आय स्रोतों पर भी प्रहार किया और केंद्रीय तथा क्षेत्रीय नेतृत्व को पकड़ने या निष्क्रिय करने के प्रयास तेज किए। साथ ही गरीबी–उन्मूलन और विकास के प्रयास भी किए गए। लेकिन स्थायी समाधान के लिए प्रणालीगत बदलाव भी अनिवार्य हैं। सरकार को जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। आर्थिक विकास की परिभाषा को इस तरह से गढ़ना होगा कि वह पारंपरिक अधिकारों का सम्मान करे। साथ ही, नए सिरे से अशांति के चक्र को जन्म देने से बचने के लिए शोषणकारी उपक्रमों को आदिवासी इलाकों को रिमोट–कंट्रोल से संचालित करने की कोशिशों से भी बाज आना चाहिए।

इतिहास, संस्कृति और धर्म से खिलवाड़

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तेजी से अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जमीन राम मंदिर बनाने के लिए दे दी गई और फिर वहां राम मंदिर बन भी गया, उससे भाजपा समर्थकों में यह विश्वास और पुख्ता हो गया कि मोदी के रहते हिंदू धर्म सुरक्षित रहेगा और हिंदू जागा रहेगा। हालांकि हिंदू कब सोया हुआ था और धर्म को कब खतरा था, इसका कोई तार्किक जवाब इन समर्थकों के पास नहीं है। क्यों धर्म खतरे में रहता तो देश में हिंदू आबादी बहुसंख्यक नहीं रहती। बहरहाल, भाजपा की धर्म की राजनीति में आम जनता की आस्था उलझ कर रह गई और अब जब धर्म का तरह–तरह से अपमान हो रहा है, तो यह उलझी हुई धार्मिक जनता समझ नहीं पा रही है कि उसे क्या करना चाहिए। अभी तीन–चार तीन पहले नरेन्द्र मोदी शिवजी की तरह डमरू बजाते दिखे, इसके बाद पतंगबाजी का शौक पूरा करने के लिए हनुमानजी को ही पतंग की तरह इस्तेमाल किया। लेकिन हिंदू सोया रहा, उसे अपने आराध्य भगवानों के अपमान पर आपत्ति नहीं हुई। उत्तरप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय

राय ने हनुमानजी के अपमान के विरोध में लखनऊ में हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहा, तो पुलिस ने उन्हें रोका। हालांकि पाठ फिर भी उन्होंने पूरा किया। लेकिन इसमें कोई हिंदुत्ववादी संगठन अजय राय का साथ देने आगे नहीं आया। जो लोग चर्च या मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, उन्हें इस बात से तकलीफ नहीं हुई कि मंदिर में किसी को हनुमान चालीसा का पाठ करने से क्यों रोका जा रहा है। धर्म को लेकर यह दोहरा रवैया जाहिर करता है कि भाजपा के लिए धर्म केवल राजनीति में सीढ़ी की तरह इस्तेमाल किया जाता है। आस्था पर पैर रखकर अपमानित करने से भाजपा नेताओं को कोई गुरेज नहीं है इसी तरह प्राचीन संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों का भी लगातार तिरस्कार भाजपा कर रही है। अभी सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण के हजार साल मनाए गए और नरेन्द्र मोदी ने इसमें कहा कि यह हमारी विजय का प्रतीक है, क्योंकि आक्रमण के बाद भी सोमनाथ को नष्ट नहीं किया जा सका। लेकिन खुद मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मंदिरों, मूर्तियों और घाटों को जीर्णोद्धार के नाम पर बर्बाद किया जा रहा है। इसमें मणिकर्णिका घाट को भी नहीं बख्शा गया, जो हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन और सबसे पवित्र श्मशान घाटों में से एक है। मोक्ष की कामना में श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन शायद नरेन्द्र मोदी की नजर में श्रद्धा का कोई मोल नहीं है, उन्हें केवल मुनाफे की भाषा समझ आती है। तभी तो इस पवित्र माने जाने वाले घाट का अविचारित पुनरुद्धार किया जा रहा है। जिसमें पुराने घाटों और मूर्तियों पर बेरहमी से बुलडोजर चला दिया गया और जब इसका विरोध शुरु हुआ तो जिला प्रशासन का जवाब आया कि मूर्तियों को दोबारा लगाने के लिए सुरक्षित रखा गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि दीवारों में लगी कुछ कलाकृतियां व मूर्तियां प्रभावित हुई हैं लेकिन उन्हें संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है और काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूलरूप में फिर से स्थापित किया जाएगा। लेकिन सवाल यही है कि आखिर इस तरह के कामों में पहले से सावधानी क्यों नहीं बरती गई।जब मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनवाया था, तब भी कई पुरानी मूर्तियां और छोटे मंदिरों को तोड़ा गया था।

मणिशंकर अय्यर चाहते क्या हैं...!

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस जब कभी लड़खड़ाने के बाद उठने की कोशिश करती है, तभी उसके

वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर कोई न कोई ऐसा बयान दे देते हैं जिससे विरोधी दल ही नहीं आम जनता भी थू–थू करने लगती है। अभी गत दिनों (11 जनवरी 2026) जब कांग्रेस महाराष्ट्र के बीएमसी और महानगर निगमों के चुनाव में अकेले दम पर कुछ खास करने जा रही थी, तभी मणिशंकर अय्यर ने कहा भारत सरकार को आपरेशन सिंदूर खत्म कर देना चाहिए। ध्यान रहे कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला करके 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। आतंकियों ने धर्म पूंछ कर गोली चलायी थी। भारत सरकार ने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया और आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को मार कर न सिर्फ उनके ठिकाने नष्ट किये गये बल्कि पाकिस्तान के तीन एयरबेस भी ध्वस्त कर दिये गये। इस आपरेशन को इस शर्त के साथ स्थगित किया गया था कि यदि देश पर कोई आतंकी हमला हुआ तो उसे पाकिस्तान की तरफ से युद्ध माना जाएगा। मणिशंकर अय्यर के बयान तभी से शर्मनाक रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा था कि हम यह साबित नहीं कर पाए कि पहलगाम में आतंकी हमला करने वाली एजेंसी कौन थी? अब वह कह रहे हैं कि आपरेशन सिंदूर को खत्म कर पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। कांग्रेस ने भी मणिशंकर के बयानों से दूरी बना ली और कहा यह उनका निजी बयान है लेकिन भाजपा ने मणिशंकर के इस बयान के बाद तीखा हमला बोला है और पार्टी को इस्लामाबाद कांग्रेस पार्टी तक कह दिया है। समझ में यह नहीं आता कि कांग्रेस अपने ऐसे नेताओं से मुक्त क्यों नहीं होती? वह शशि थरूर जैसे नेताओं के पीछे पड़ी है जो अच्छी छवि तो रखते हैं। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर और हिंदुत्व को लेकर एक बयान दिया है, जिस पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अय्यर ने कथित तौर पर कहा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर को खत्म कर पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि पहलगाम आतंकी हमले के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी देश, यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र या अमेरिका ने भी पाकिस्तान को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया, केवल भारत ही बार–बार यह दावा कर रहा है। उन्होंने कथित रूप से हिंदुत्व को हिंदू धर्म का एक विकृत रूप बताया है।कांग्रेस पार्टी ने इन बयानों से दूरी बना ली है और इन्हें अय्यर का निजी बयान बताया है। इन बयानों के बाद, भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है और पार्टी को इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस तक कह दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि भारत को तुरंत ऑपरेशन सिंदूर खत्म करना चाहिए और पाकिस्तान के साथ बिना किसी देरी के बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए। अय्यर ने ये बात एक इंटरव्यू में कही है। इसका वीडियो 11 जनवरी को सामने आया है। उनके बयान पर जवाब देते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को "इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस" बताया। उन्होंने कहा–कांग्रेस बार–बार पाकिस्तान को क्लीन चिट देती है और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई का समर्थन नहीं करती। पूनावाला ने कहा– राहुल ने सर्जिकल स्ट्राइक को खून की दलाली कहा था। वे ऑपरेशन सिंदूर को विफल बताते हैं। अब गांधी परिवार के इशारे पर मणिशंकर अय्यर ने फिर से पाकिस्तान के लिए पैरवी की है और ऑपरेशन सिंदूर का मखौल उड़ाया है। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया कहते हैं मणिशंकर अय्यर कौन होते हैं हमें पाठ पढ़ाने वाले? 10 साल जब उनका शासन था, तब कितनी आतंकवादी घटनाएं होती थीं। कांग्रेस के लोग चाहते हैं कि देश में आतंकी गतिविधियां होती रहें। नरेंद्र मोदी के शासन में पाकिस्तान अगर चूं करेगा तो उसका जवाब ठोंक कर दिया जाएगा। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद कहते हैं मणिशंकर अय्यर का बयान हो या अमेरिका का बयान हो। बहुत से देशों ने भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद तनाव समाप्त करने के लिए बातचीत की बात कही थी। देश की सरकार ने जहां एक तरफ यह कहा कि खून और पानी साथ नहीं बहेगा, दूसरी ओर भारत पाक क्रिकेट मैच होता है तो बहुत से सवाल उठते हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी कहते हैं राष्ट्रीय हित में क्या है और दोनों देशों के बीच संबंधों को कैसे संभाला जाना चाहिए, यह तय करना मौजूदा सरकार का काम है। यह सरकार का आंतरिक मामला है और इस पर किसी को भी विशेष टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा यह एक तर्कसंगत राय है। हर किसी को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। यह उनकी राय है, अगर इसमें कोई सार है तो लोग इसे स्वीकार करेंगे, अगर नहीं है तो लोग इसे अस्वीकार करेंगे। इससे पूर्व अय्यर ने 28 अगस्त को कहा था कि हमारे सांसद पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने दुनिया भर में गए, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं मानी। हम इकलौते हैं, जो अपनी छाती पीट–पीटकर कहते हैं कि हाय–हाय पाकिस्तान जिम्मेदार है, लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं। इसी के साथ वह कहते हैं संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने भी पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। कोई मानने को तैयार नहीं, क्योंकि हम कोई सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि 33 देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों में से किसी ने भी पाकिस्तान को दोषी नहीं ठहराया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने भी पाकिस्तान को लेकर कुछ नहीं कहा, बस हम ही चिल्ला–चिल्लाकर कहते हैं कि पाकिस्तान जिम्मेदार है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अय्यर ने कहा, हम यह साबित नहीं कर पाए कि पहलगाम में आतंकी हमला करवाने वाली एजेंसी कौन थी। हम ही इकलौते हैं जो पाकिस्तान को दोषी ठहराते हैं, लेकिन कोई गंभीरता से नहीं लेता। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि पहलगाम हमला लश्कर–ए–तैयबा की तरफ से करवाया गया था। मारे गए आतंकियों को पाकिस्तान से ट्रेनिंग मिली थी और फंडिंग भी वहीं से हुई थी। ऑपरेशन महादेव के दौरान जम्मू–कश्मीर के जंगलों में ये आतंकी मारे गए।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

पावन गंगा में मनुज, करें अमावस स्नान।
मिले मुक्ति पितृ दोष से, कहते संत महान।।
कहते संत महान, नहा ले डुबकी लेकर।
पाएगा शुभ पुण्य, दान भी दिल से देकर।।
कहती रचना आज, अमावस दिन मनभावन।
आती सुख समृद्धि, नहाकर गंगा पावन।

शुभ अवसर यह स्नान है, और मौन उपवास।
पितृ पूजा तर्पण यही,, सनातनी इतिहास।।
सनातनी इतिहास, देश का गौरव अपना।
हो सुख शांति समृद्धि, यही भारत का सपना।
कहती रचना आज, माह यह जैसे कौस्तुभ ।
दान पुण्य का काल, स्नान अमावस शुभ।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

इमरान हाशमी

मुझे गंगा–जमुनी तहजीब पर गर्व है, आज एक पिता के रूप में असुरक्षा का एहसास है

इमरान हाशमी एक बेहतरीन एक्ध्टर ही नहीं, एक बेहद जहीन इंसान भी हैं। क्रिश्चियन मां, हिंदू पत्नी और खुद मुसलमान, इमरान को अपने गंगा जमुनी तहजीब पर गर्व है। नवभारत टाइम्स से बातचीत में उन्होंने अपने करियर, निजी जिंदगी और सिनेमा के भविष्य को लेकर बात की है। पढ़िए इंटरव्यू। इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने करियर की शुरुआत में शलवर बॉयश और शसीरियल किसरश के रूप में खूब शोहरत हासिल की। लेकिन फिर वक्त बदला तो अपने हुनर से गजब का इमेज मेकओवर भी किया। शवाय चीट इंडियाश, शचेहरेश, शग्राउंड जीरोश, शबार्ड ऑफ ब्लडश, शहकश जैसे तमाम प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक सशक्त अभिनेता के रूप में पहचान दी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि इमरान हाल के दिनों में पर्दे पर नेगेटिव किरदारों में भी खूब पसंद किए गए। फिर चाहे वह शटाइगर 3श हो या फिर शदे कॉल हिम ओजीश, सिनेमा का यह सितारा हर रंग में दमका। पर्दे से इतर, निजी जिंदगी में इमरान हाशमी एक बेहद जहीन शख्सियत के मालिक हैं। वह गंगा–जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं। शनवभारत टाइम्सश से खास बातचती तें एक्टर ने अपने करियर, शादी, बेटे, टॉक्सिसिटी और गंगा–जमुनी तहजीब जैसे कई मुद्दों पर दिल खोलकर बात की है। इमरान स्वीकार करते हैं कि एक पिता के तौर पर वह कई असुरक्षाओं का सामना करते हैं। जिस दौर में धर्म के नाम पर देश में गहमा–गहमी बढ़ती जा रही है, वह बताते हैं कि उनके घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। पढ़िए, ये एक्सक्लूसिव इंटरव्यू– आपकी मम्मी क्रिश्चियन, पिता मुस्लिम और पत्नी हिंदू हैं, आप गंगा–जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं, क्या कहना चाहेंगे? मैं इस गंगा–जमुनी तहजीब पर गर्व करता हूं। मेरे घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। मैं मानता हूं कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी एक्सल्यूसिवनेस यानी समग्रता। माना कि हर एक किलोमीटर पर बोली और रहन–सहन बदल जाता है, मगर इसके बावजूद हम को–एग्जिस्ट करते हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी खूबी है। माना कि कई बार कॉनफ्लिक्ट्स होते हैं, मगर हम एक ऐसा देश है, जो अपनी एक्सल्यूसिवनेस के लिए जाना जाता है। एक सेक्युलर माइंडसेट के साथ लोग रहते हैं। हालांकि मेरा विश्वास सही है और आपका गलत, ये सोच तो कुछ लोगों में रहने ही वाली है, मगर एक बड़ी तादाद में लोग जिस तरह से मिल–जुलकर रहते हैं, वो शानदार है। 46 साल हैं इमरान हाशमी, साल 2003 में शफुटपाथश से कध्यिा था एक्टिंग डेब्यू आपके और परवीन शाहनी के विवाह को तकरीबन दो दशक का समय हो गया है, आज जब हम देखते हैं कि हमारे आसपास शादियां नहीं चल रही हैं, तो ऐसे में आप अपनी कामयाब शादी का राज क्या मानते हैं? हर शादी में छोटी–बड़ी अनबन तो होती ही है। सबकुछ रोजी–रोजी या सुहाना कभी नहीं होता। मेरी शादी में तो मेरी सीरियल किसर की इमेज भी एक चौलेंज थी (हंसते हुए), इतना ही कहूंगा कि अपनी रिलेशनशिप को लेकर आप कभी मुतमईन नहीं हो सकते। शादी हो या कोई रिश्ता आपको लगातार काम करते रहना पड़ता है। प्यार–मोहब्बत के बाद कई लोग शादी को मंजिल मानकर रिलैक्स हो जाते हैं, मगर ऐसा नहीं है, आपको हर बार प्यार को ताजा रखना पड़ता है। शादी में कम्युनिकेशन बहुत जरूरी होता है। कई बार मियां–बीवी में कम्युनिकेशन खत्म हो जाता है और उसके बाद सब कुछ बिखरने लगता है। आप एक ही घर में रहते हैं, एक ही बेडरूम में सोते हैं, मगर कनेक्शन गायब हो जाता है। यहीं से चीजें गलत होने लगती हैं, तो उसे जानकर फौरन अलर्ट होना जरूरी हो जाता है। आपके बेटे अयान 15 साल के हो गए हैं, अब पिता के रूप में आपकी असुरक्षाएं क्या हैं? एक कहावत है न कि आपको पिता होने की असुरक्षा का अहसास तब तक नहीं होता, जब तक आप पिता नहीं बनते, तो ये सही बात है। अब जब से मैं पिता बना हूं, तो उस डर को समझता हूं। अगर मैं बाहर हूं, तो ये खयाल डराता है कि वो क्या कर रहा होगा? स्कूल में है, तो अलग चिंता रहती है। आप जब ट्रैवल करते हैं, तब भी दिमाग बच्चे में लगा रहता है। मगर इन तमाम इनसिक्योरिटीज के बीच कोशिश यही रहती है कि अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता सकूं, हालांकि में शूटिंग में मसरूफ रहता हूं, मगर समय निकालने का प्रयास करता हूं। देखिए, जब तक बच्चे 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक का वक्त बड़ा कीमती होता है। उसके बाद तो आपके पास 15–20 पर्सेंट ही वक्त बचता है। उसके बाद तो उनकी अपनी जिंदगी होती है। अलबत्ता अब तो 13 साल के बाद ही बच्चे अपनी चीजों में मसरूफ रहने लग जाते हैं, तो मैं सभी पैरेंट्स से कहूंगा कि बच्चे के 12 साल होने तक का आपके पास एक गोल्डन पीरियड है, उसे कैश कर लीजिए बच्चे के साथ समय बिताकर वरना आप बाद में पछताएंगे। पत्नी परवीन शाहनी के साथ इमरान हाशमी अगर मैं आपकी अभिनय यात्रा के बारे में कहूं, तो लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में शुरुआत करने के बाद अब आप अभिनेता के रूप में समृद्ध हो चुके हैं, इस ट्रांसफॉर्मेशन को कैसे देखते हैं? इसका श्रेय मैं नहीं ले सकता। इसका क्रेडिट उन्हें जाना चाहिए, जिन्होंने मुझे उन अर्थपूर्ण कहानियों का हिस्सा बनाया। जब कोई फिल्मकार अपने कन्विक्शन के साथ मुझ पर दांव खेलता है, तो सेल्फिश एक्टर के रूप में उस मौके को झपट लेता हूं। सभी जानते हैं कि करियर की शुरुआत में तकरीबन दस साल तक मैं टाइपकास्ट हो गया था। मगर फिर मुझे लगा कि एक लंबी रेस का घोड़ा होना है, तो अलग–अलग किरदार जीने पड़ेंगे। मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने मुझे पसंद किया। आप तो इंडस्ट्री से ही ताल्लुक रखते हैं, क्या कभी आपको बॉलीवुड की टॉक्सिसिटी का सामना करना पड़ा है? नहीं, मैंने ऐसी किसी टॉक्सिसिटी का अनुभव नहीं किया, मगर इतना जरूर कह सकता हूं कि फिल्मों के मामले में हम कहीं भटक से गए हैं। खास तौर पर थिएट्रिकल फिल्मों के मामले में। अब आप ओटीटी या दर्शकों पर ब्लेम डाल सकते हैं, मगर मुझे लगता है कि हमें अपने अंदर झांकना पड़ेगा कि हम क्रिएटिविटी में कहां कम पड़ रहे हैं। मेरी एक चिंता है कि हम क्रिएटिव रूप से उतने सक्षम नहीं रहे। दर्शकों के साथ हमारा कनेक्शन खो चुका है। इसके लिए हमें पुनर्निर्माण करना पड़ेगा, मनन करना होगा कि कहीं हम भेड़चाल में अपना कन्विक्शन तो नहीं खो रहे, क्योंकि जब भी कोई एक फिल्म चल जाती है, हम उसी तरह की फिल्म बनाने पर आमादा हो जाते हैं, तो उसमें कोई ननयापन नहीं होता। लोगों ने यूनिक बातें करनी बंद कर दी हैं, रिस्क लेना बंद कर दिया है।

तारा सुतारिया संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच वीर पहाड़िया के क्रिप्टिक पोस्ट ने खींचा ध्यान, लिखा-वक्त बुरा हो या अच्छा..

बॉलीवुड की यंग और चर्चित जोड़ियों में गिने जाने वाले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया को लेकर इन दिनों ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं। कुछ समय से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा है कि दोनों का रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा। इतना ही नहीं, हाल ही में नूपुर सेनन की रिसेप्शन पार्टी में भी वीर अकेले पहुंचे थे, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहों को और हवा मिल गई। इन सब के बीच हाल ही में वीर पहाड़िया ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे उनके ब्रेकअप से जोड़कर देखा जा रहा है। बुधवार को वीर पहाड़िया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह ब्लैक टी–शर्ट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, "वक्त बुरा हो या अच्छा, एक न एक दिन बदलता जरूर है।"वीर का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस इसे तारा सुतारिया से जुड़े ब्रेकअप रूमर्स से जोड़कर देख रहे हैं। इस पोस्ट को ओरी, भूमि पेडनेकर और करण जौहर जैसे कई सेलेब्स ने लाइक भी किया है। वीर के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन आने लगे। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि वीर और तारा एक–दूसरे के साथ बेहद अच्छे लगते थे। कुछ यूजर्स ने लिखा, "प्लीज ये अफवाहें सच न हों," तो वहीं कई फैंस ने दोनों से दोबारा सोचने और पैचअप करने की अपील की। लोगों का कहना है कि दोनों की केमिस्ट्री शानदार थी और उन्हें अलग नहीं होना चाहिए। बताया जा रहा है कि वीर और तारा के रिश्ते में दरार की चर्चा दिसंबर में मुंबई में हुए एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद तेज हुई। इस कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के साथ स्टेज शेयर किया था। दोनों ने साथ में गाना 'थोड़ी सी दारू' परफॉर्म किया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, इसी दौरान तारा और एपी ढिल्लों की नजदीकियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू हो गईं। बताया गया कि इस कॉन्सर्ट में वीर पहाड़िया भी मौजूद थे और उनका रिएक्शन कैमरे में कैद होकर वायरल हो गया था। इसके बाद से ही दोनों के ब्रेकअप की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वीर और तारा ने आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। फिलहाल वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि ये खबरें महज अफवाह हैं या वाकई दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

नागबंधन में पार्वती बनीं नभा नतेश, पोस्टर में बेहद खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक ने खींचा ध्यान

कल मेकर्स ने आने वाली फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी, जिसमें बस एक छोटी सी झलक दिखाई गई थी। इस पोस्टर ने सबको पार्वती की पहचान को लेकर सोच में डाल दिया था, साथ ही आज रिवील करने का वादा भी किया गया था। अब आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है और पार्वती से पर्दा उठ चुका है। अपकमिंग फिल्म नागबंधन में पार्वती के किरदार में नभा नतेश को पेश किया गया है, और इसके साथ मेकर्स ने उनका बेहद खूबसूरत पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने पार्वती के रोल में नाभा नतेश को रिवील किया। खूबसूरत एक्ट्रेस ट्रेडिशनल इंडियन साड़ी में बेहद स्टनिंग और अट्रैक्टिव लग रही हैं, जो पूरी तरह से एलिगेंस और ग्रेस दिखा रही हैं। पार्वती को रिवील करने के साथ–साथ मेकर्स ने फिल्म का टाइटल, नागबंधम भी रिवील किया और कैप्शन लिखा, नागबंधन के पोस्टर में पार्वती के रूप में ग्रेसफुल नजर आ रहीं नभा नतेश सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म का वादा भी करती हैं जो भारतीय संस्कृति में गहराई से रची–बसी है। पार्वती की उंगली पर बैठा खूबसूरत पक्षी एक सरप्राइज एलिमेंट जोड़ता है, वहीं बैकग्राउंड में मोर और मंदिर का माहौल इस बात का भरोसा दिलाता है कि कहानी भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े एक अलग ही आयाम को छुएगी। जहां नभा नटेश इस फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में नजर आने वाली हैं, वहीं वह तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन 2019 में आई पस्मार्ट संकर से उन्हें बड़ी पहचान मिली, जिसके बाद वह 'पस्मार्ट ब्यूटी' के नाम से लोकप्रिय हो गईं। इसके अलावा, टाइटल के साथ जुड़ा दिलचस्प टैगलाइन 'द सीक्रेट ट्रेजर' फिल्म में छुपे रहस्य की ओर इशारा करता है, जिसे कहानी के साथ धीरे–धीरे खोला जाएगा। इस खुलासे ने आने वाले कंटेंट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। नागबंधन की कहानी, स्क्रीनप्ले और निर्देशन अभिषेक नामा ने संभाला है। फिल्म को किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागीरेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसे समर 2026 में पैन–इंडिया रिलीज करने की योजना है।

बॉर्डर 2 का गाना 'घर कब आओगे' रिलीज होने के बाद से वरुण धवन ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। एक्टर के एक्सप्रेशन और एक्टिंग को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर कई इंफ्लुएंसर गाने से वरुण का एक्सप्रेशन का मजाक उड़ाते हुए वीडियो बना रहे हैं। इसी बीच रेडिट पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वरुण की ट्रोलिंग पेड पीआर कैंपेन चलाया गया है। वायरल स्क्रीनशॉट में लिखा गया है– शहम बॉर्डर 2 को लेकर एक च्ट कैंपेन चला रहे हैं, जो फिल्म के निगेटिव कमेंट पर आधारित है। इस कैंपेन का मकसद वरुण धवन के परफॉर्मेंस च्वाइस,स्क्रीन प्रेजेंस, फेशियल एक्सप्रेशन और इस बात पर बहस शुरू करना है कि क्या उनकी कास्टिंग इतनी बड़ी फिल्म और उसकी लीगेसी पर फिट बैठती है। आपके पेज की अच्छी इंगेजमेंट है और ऐसे ऑडियंस हैं, जो बोल्ड और अनफिल्टर्ड ओपिनियन की सराहना करते हैं, इसलिए हम आपके साथ कोलैब करना चाहेंगे।' चौट में आगे प्वाइंट मेंशन किए गए हैं, जिस पर वरुण का ऑनलाइन टारगेट करना था। जैसे कि उनकी हाइट पर बात करते हुए ये बताना कि कैसे वो फिल्म के लिए फिट नहीं बैठते।

20 साल की इस हसीना ने कुछ ऐसा कर दिखाया है, जिसे करना शायद हर किसी स्टार का सपना होता है. उन्होंने आईएमडीबी की लिस्ट में पहला नंबर हासिल कर लिया है और विजय, प्रभास और यामी गौतम जैसे स्टार्स को पीछे छोड़ दिया है. प्डक्इ ने बुधवार को पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज की लिस्ट जारी कर ली है. पिछले हफ्ते सारा अर्जुन लिस्ट में दूसरे स्थान पर थीं. इस बार वो विजय, प्रभास और यामी गौतम को पछाड़ते हुए नंबर वन का ताज हासिल किया है. पिछले हफ्ते धुरंधर के निर्देशक आदित्य धर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर थे. इस बार उन्होंने इस लिस्ट में नंबर दो स्थान हासिल किया है. साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले थलापति विजय ने इस लिस्ट में आठवां स्थान हासिल किया है. फिल्म इक्कीस में अपनी शानदार एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों पर राज करने वाले अगस्त्य नंदा ने इस लिस्ट में 12वां स्थान हासिल किया है. आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में भाग्यश्री बोरसे ने 15वां स्थान हासिल किया है. सिबी चक्रवर्ती ने आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में 16वां स्थान हासिल किया है. बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम को आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में17वां स्थान हासिल हुआ है. वहीं, साउथ के सुपरस्टार एक्टर प्रभास आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में 19वें स्थान पर हैं. श्रीराम राघवन ने आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में 22वां स्थान हासिल किया है. आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में तारा सुतारिया को 24वें नंबर पर जगह मिली है. दिंजित अय्याथन ने आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में नंबर 27 पर अपनी जगह कायम की है. निविन पॉली ने आईएमडीबी पॉपुलर इंडियन सेलेब्स की लिस्ट में 30वां स्थान हासिल किया है. इक्कीस फेम और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने इस लिस्ट में 42वें नंबर पर अपनी जगह बनाई है.

शरीर को अंदर से खोखला कर देगी विटामिन–डी और बी12 की कमी

शरीर को सही तरह से काम करने के लिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स और मिनरल्स की जरुरत होती है। यदि शरीर को पूरी तरह से विटामिन और मिनरल्स न मिले तो कई तरह की बीमारियां जन्म ले सकती हैं। जब बात शरीर को पोषक तत्व देने की होती है तो ज्यादातर लोग प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर आहार को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। कोई भी विटामिन–डी और विटामिन–बी12 का जिक्र नहीं करता, लेकिन प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह विटामिन–डी और बी12 भी जरुरी है। इन दोनों ही विटामिन्स की कमी के कारण शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। तो चलिए आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि विटामिन–बी12 और विटामिन–डी क्यों जरुरी होते हैं और इनकी कमी के कारण शरीर में क्या–क्या लक्षण दिखते हैं...

विटामिन–डी की कमी के लक्षण

. इम्यूनिटी कमजोर होना
. हड्डियों में दर्द
. डिप्रेशन और मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ना
. जल्दी बीमार पड़ना
. थकावट होना

विटामिन–बी12 की कमी

. हर समय थकान रहना
.सिरदर्द रहना
. स्किन का डल होना
. पाचन संबंधी समस्याएं रहना

कैसे करें विटामिन–डी की कमी पूरी?

वैसे तो विटामिन–डी धूप के जरिए शरीर को अच्छे से मिलता है लेकिन यदि आप धूप नहीं ले पाते हैं तो संतरे का जूस, दूध, अंडा, मशरुम जैसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैरे करें विटामिन–बी12 की कमी पूरी?

इस विटामिन की कमी पूरी करने के लिए आप रेड मीट, मछली और शेलफिश, फलियां, अंडे, बीन्स और सूखे मेवे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा दूध और दूध से बनी चीजें जैसे दही, पनीर, छाछ का सेवन करके भी आप विटामिन–बी12 की कमी पूरी कर सकते हैं।

झुर्रियों को कम करने के लिए सोने से पहले करें ये काम, ट्राई करें ये घरेलू उपाय

बढ़ती उम्र के साथ ही स्किन पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। वहीं झुर्रियों की समस्या को कम करने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे से महंगा ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन कई बार इन ट्रीटमेंट के साइड इफेक्ट्स भी होते हैं। ऐसे में अगर आप भी झुर्रियों की समस्या से परेशान हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

आप एजिंग साइन को कम करने के लिए घरेलू उपचार अपना सकती हैं। घरेलू उपचार करने से स्किन पर नेचुरल निखार आता है। साथ ही झुर्रियों की समस्या भी कम होती है। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको झुर्रियों को कम करने के कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

शहद

बता दें कि शहद एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में अगर आप भी झुर्रियों की समस्या से राहत पाना चाहते हैं, तो आप अपने फेस पर शहद की एक पतली परत अप्लाई करें। फिर इसको फेस पर 20–30 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद चेहरा गुनगुने पानी से साफ कर लें।

एलोवेरा जेल

वहीं एलोवेरा जेल भी स्किन के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई के अलावा अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो आपकी त्वचा को हेल्दी रखने में सहायक होते हैं। एलोवेरा को स्किन पर लगाने से त्वचा की नमी बरकरार रहती है। आप झुर्रियों से निजात पाने के लिए रोजाना एलोवेरा जेल से फेस की मसाज कर सकती हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल में फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो आपकी स्किन को पोषण देने में सहायक होता है। इसलिए अगर आप रोजाना सोने से पहले फेस पर नारियल तेल से मसाज करती हैं, तो आपको झुर्रियों की समस्या से राहत मिल सकती है।

जैतून का तेल

जैतून के तेल एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इस तेल के इस्तेमाल से स्किन संबंधी समस्या कम हो सकती है। झुर्रियों से राहत पाने के लिए आप अपने चेहरे की जैतून तेल से मसाज कर सकते हैं। फिर कुछ देर लगा रहने के बाद फेस पानी से धो लें।

केला

केले में मॉइस्चराइजिंग गुण पाए जाते हैं। केला झुर्रियों को कम करने में सहायक होता है। इसके लिए आप एक केले को मैश कर लें और फिर फेस की मसाज करें। 15 मिनट इसको चेहरे पर लगाने के बाद फेस पानी से धो डालें।

दही

आपको बता दें कि दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है। जो स्किन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दही से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस साफ पानी से धो डालें।

हार्ट अटैक से 5 साल की बच्ची की मौत, बच्चों में दिखे ऐसे लक्षण न करें इग्नोर

गलत खान–पान और खराब लाइफस्टाइल के चलते इन दिनों हार्ट अटैक के मामले काफी बढ़ रहे हैं। जहां पहले यह बीमारी लोगों को 60 के बाद होती थी वहीं आजकल युवा और छोटे बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को यूपी के अमरोहा जिले के हसनपुर कोतवाली के हथाईखेड़ा गांव में कामिनी नाम की 5 साल की लड़की की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। यह लड़की अपने मोबाइल फोन पर कार्टून देख रही थी।

डॉक्टरों ने किया बच्ची को मृत घोषित

खबरों की मानें तो बच्ची बिस्तर पर मां के बगल में ही लेटकर कार्टून देख रही थी कि तभी वह अचानक से बेहोश होकर गिर पड़ी। इसके बाद जल्दबाजी में उसे अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है।

लक्षण

हार्ट अटैक आने से पहले कुछ लक्षण भी दिख सकते हैं जैसे

. सीने में दर्द या दबाव पड़ना
. सांस लेने में तकलीफ
. कंधे, गर्दन, जबड़े या पीठ में दर्द
. चक्कर आना या बेहोशी
. उल्टी या मतली

कैसे करें बच्चों की देखभाल

बच्चों पर न डालें प्रेशर

हार्ट अटैक का मुख्य कारण स्ट्रेस, एंग्जाइटी और तनाव भी हो सकता है। ऐसे में बच्चों को किसी भी तरह का तनाव न लेने दें।

अच्छी डाइट

स्वस्थ खान–पान के जरिए बच्चों में दिल की बीमारी का खतरा कम हो सकता है। ऐसे में आप बच्चों की डाइट में फल, सब्जियां, साबुत अनात और कम फैट वाले प्रोटीन को शामिल करें। सर्दियों के इस मौसम में बच्चों की डाइट में गर्म चीजें जैसे सूप, शीरा और स्टू जैसी चीजें शामिल करें।

नियमित एक्सरसाइज

बच्चों को नियमित एक्सरसाइज करने की आदत डालें। आउटडोर एक्टिविटीज के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं

ठंड के इस मौसम में भी बच्चों को हाइड्रेटेड रखें। डिहाइड्रेशन के कारण उनके हार्ट पर दबाव पड़ सकता है। ऐसे में उन्हें नियमित पानी पिलाने की आदत डालें।

ग्लो बढ़ाने और झुर्रियों से बचने के लिए लगाएं ये नेचुरल फेस मास्क, फूलों सी निखर आएगी रंगत

चेहरे पर बढ़ती उम्र के निशान आने तब शुरू हो जाती है। जब शरीर में कम मात्रा में कोलेजन बनने लगता है। कोलेजन कम होने के कारण चेहरे पर ड्राइनेस के अलावा बारीक रेखाएं नजर आने लगती हैं। इसलिए आपको अपनी त्वचा का खास ख्याल रखना पड़ता है। खासकर बढ़ती उम्र में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। वहीं फेस को कील मुंहासों से बचाने और ग्लो को बढ़ाने और झुर्रियों से चेहरे को बचाने के लिए एक्सफ़ोलिएशन और मॉइस्चराइजर करते रहना चाहिए। हांलाकि अगर इस सारे ट्रीटमेंट्स के बार भी आपकी स्किन डल नजर आ रही है, तो इसका मतलब है कि आपको कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आपको अपनी डाइट में कुछ नेचरुल चीजों को शामिल करना चाहिए। साथ ही आप कुछ नेचुरल चीजों से बने फेस मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन नेचुरल फेस पैक के बारे में...

जानिए क्या है कोलेजन

बता दें कि कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो हमारी स्किन में पहले से मौजूद होता है। कोलेजन के कारण त्वचा कोमल रहती है। साथ ही स्किन लचीली और हाइड्रेट रहती है। कोलेजन फाइब्रोब्लास्ट बनाने में सहायता करता है, जो नए सेल्स के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है।

कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाने वाले फेस मास्क

हल्दी का फेस मास्क

हल्दी हमारी त्वचा को नेचुरल ग्लो देने का काम करती है। साथ ही हल्दी में मौजूद करक्यूमिन कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाने में सहायक होती है। इसके साथ ही हल्दी रंगत निखारने और दाग–धब्बे को दूर करने में मददगार होती है। हल्दी का फेस मास्क बनाने के लिए दूध में शहद और एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। इस फेसपैक को 15–20 मिनट लगाए रखने के बाद नॉर्मल पानी से धो लें। इस फेसपैक को सप्ताह में दो बार लगा सकते हैं।

पपीता का मास्क

पपीता से बना फेसमास्क स्किन के लिए फायदेमंद होता है। पपीता का फेस मास्क कोलेजन को बढ़ावा देने के साथ दाग–धब्बे, मुंहासे और झुर्रियों को दूर करने में सहायक होता है। पपीते का फेस मास्क बनाने के लिए पपीते के गूदे में 2–3 बूंद नींबू का रस मिलाएं। इसको अच्छे से मिक्स कर फेस पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें।

शहद मास्क

शहद हमारी त्वचा को बिना ऑयली बनाए मॉइस्चराइज करने में मददगार होता है। शहद के इस्तेमाल से घाव, मुंहासे और स्किन टोन को एक समान बनाने में सहायक होता है। फेसपैक को बनाने के लिए शहद और दालचीनी पाउडर को अच्छे से मिक्स कर अपने फेस पर 8–10 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो दें।

कैफ ने जडेजा को लेकर ऐसा क्या कहा कि सोशल मीडिया पर मचा घमासान ? अक्षर से तुलना कर चयन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में भारतीय टीम की प्लेइंग स्ट्रैटेजी पर फिर सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा विवाद छिड़ा है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान कमेंटेटर मोहम्मद कैफ के बयान से, जिन्होंने सिलेक्टर्स पर अक्षर पटेल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। कैफ ने अक्षर को रवींद्र जडेजा से बेहतर विकल्प बताते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने गलत प्राथमिकता तय की है।

कैफ ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा कि अक्षर पटेल अक्तूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से वनडे टीम से गायब हैं। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड दोनों सीरीज में मौका नहीं मिला। वहीं जडेजा लगातार टीम में बने हुए हैं, जबकि उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है। कैफ ने कहा, अगर आपको दोनों में से एक चुनना है तो अक्षर वनडे में जडेजा से कहीं आगे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट, छक्के मारने की क्षमता, जडेजा के पास ये नहीं है। हमने आईपीएल में भी देखा है। व्हाइट–बॉल क्रिकेट में बैटिंग के लिहाज से अक्षर आगे हैं। बॉलिंग में भी आगे हैं। अक्षर पावरप्ले में गेंदबाजी कर सकते हैं। कैफ ने सवाल उठाया कि न्यूजीलैंड स्पिन के खिलाफ संघर्ष करता है, फिर भी अक्षर को बाहर और नीतीश रेड्डी को अंदर क्यों रखा गया? उनका बयान था, श्मुझे नहीं पता कि वो टीम में क्यों नहीं हैं। न्यूजीलैंड स्पिन के खिलाफ कमजोर है, और फिर भी आप रेड्डी को बैक कर रहे हैं, जबकि पहले से ही चार तेज गेंदबाज मौजूद हैं। कैफ ने आगे प्लेइंग कॉम्बिनेशन सुझाते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि जडेजा और अक्षर दोनों खेलें। अगर पिछले मैच में रेड्डी की जगह अक्षर होते तो टीम में ज्यादा बैलेंस रहता। जडेजा और अक्षर दोनों लेफ्ट–आर्म स्पिनर जरूर हैं, लेकिन उनका रोल अलग है। जडेजा पावरप्ले के बाद आते

हैं, अक्षर नई गेंद से विकेट निकालते हैं।

रवींद्र जडेजा (पिछले पांच वनडे)

जडेजा ने पिछले पांच वनडे में सिर्फ एक विकेट लिया है।

इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 257 का रहा है, जो कि डराने वाला है।

जडेजा ने पिछले पांच वनडे में 257 रन लुटाए हैं।

इस दौरान उन्होंने 6.11 की इकोनॉमी से रन दिए।

जडेजा ने बल्ले से चार पारियों में 87 रन बनाए हैं।

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 90.62 का रहा है।

अक्षर पटेल (ऑस्ट्रेलिया सीरीज 2025)

अक्षर ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर तीन मैचों की दो पारियों में 75 रन बनाए थे।

इस दौरान उनका औसत 37.50 का रहा था।

साथ ही उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट भी लिए थे और उनका इकोनॉमी 4.45 का रहा था।

अक्षर ने तीन मैचों में महज 89 रन लुटाए थे। उनका गेंदबाजी औसत 29.66 का रहा।

आगे की चुनौती

यानी आंकड़े भी कैफ के दावे को मजबूती देते हैं। हालांकि अक्षर को टी20 वर्ल्ड कप से पहले रेस्ट दिया गया है। भारत के पास अब 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक बहुत कम अवसर हैं। ऐसे में जडेजा को अपनी जगह साबित करनी होगी, जबकि अक्षर की फिटनेस और उपलब्धता चयनकर्ताओं के लिए अहम रहेगी।

न्यूजीलैंड को क्या इतिहास रचने से रोक पाएगा भारत?

इंदौर,एजेंसी। अब तक घरेलू धरती पर वनडे में शानदार रिकार्ड रखने वाले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे में तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज फिलहाल 1–1 की बराबरी पर है। न्यूजीलैंड की टीम की निगाह भी सीरीज जीतकर इतिहास रचने पर होगी। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में चार विकेट से जीत दर्ज की थी और तीन मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच को सात विकेट से अपने नाम किया। अब दोनों टीमों के बीच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में मुकाबला होगा। भारत को इस स्टेडियम पर वनडे में कभी हार नहीं मिली है। मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0–2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज 3–2 से जीती थी, लेकिन अब यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है।

न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। उसकी टीम ने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा किया है, लेकिन यहां कभी भी सीरीज नहीं जीती है। इस इंतजार को खत्म करने का यह उसके पास संभवतरू सबसे अच्छा अवसर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं चाहेंगे कि उनके नेतृत्व में घरेलू मैदान पर टीम को एक और सीरीज में हार का सामना करना पड़े। विशेषकर तब जब उन्होंने कई अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं। गंभीर के कोच रहते हुए भारत ने घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच हारे हैं और पहली बार श्रीलंका में वनडे सीरीज गंवाई थी। इंदौर के होलकर स्टेडियम की छोटी बाउंड्री और गेंदबाजों को विकेट से बहुत कम मदद मिलने के कारण गलती की गुंजाइश और भी कम हो जाती है। स्पिन गेंदबाजी का सामना करने की भारत की क्षमता पर भी सवाल उठ रहे हैं। टीम की बल्लेबाजी में गहराई और मजबूती होने के बावजूद उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में स्पिनरों के सामने असहज दिख रहे हैं। बल्लेबाज महत्वपूर्ण मौकों पर स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पा रहे हैं। अब बड़े स्कोर वाले मैदान पर बीच के ओवर निर्णायक साबित हो सकते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के प्रसारण अधिक स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चौनलों पर देख सकेंगे।

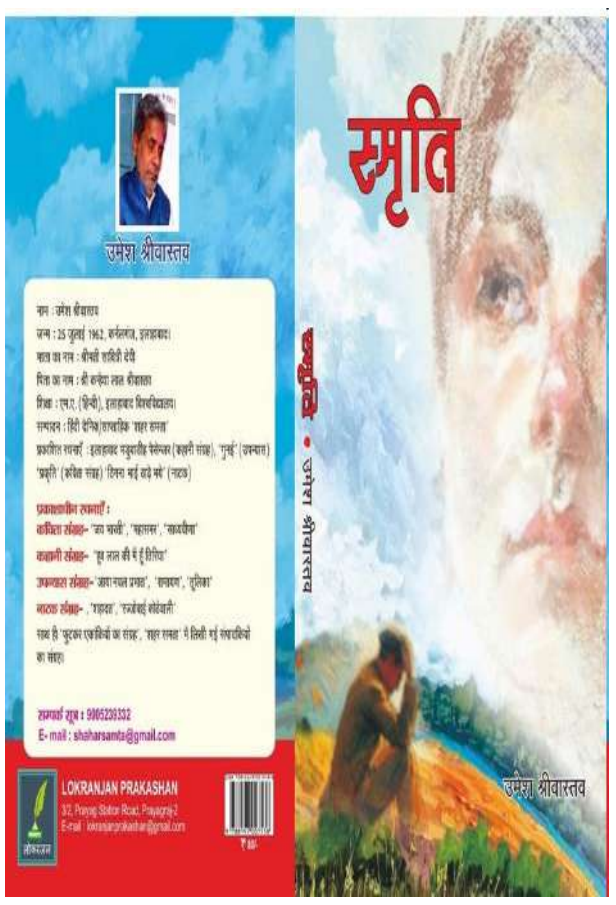

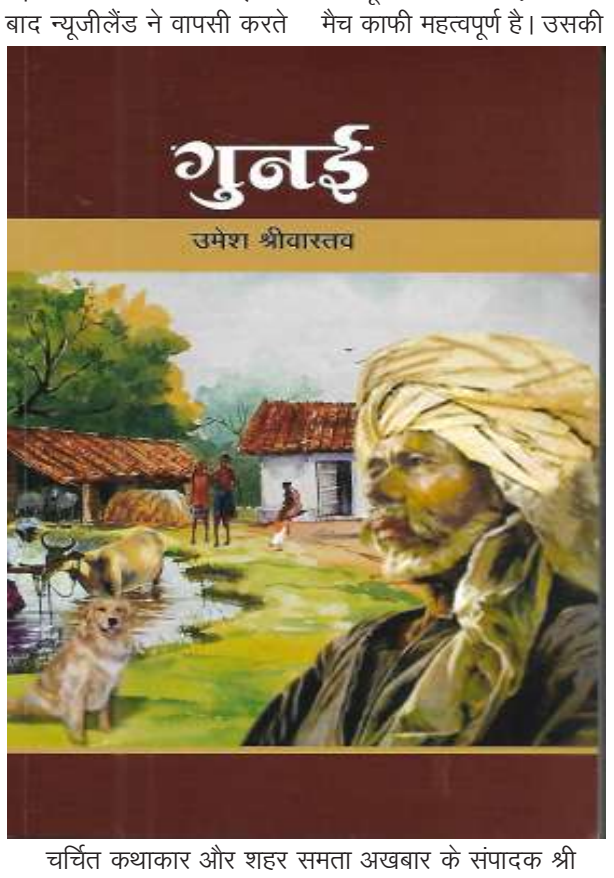

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

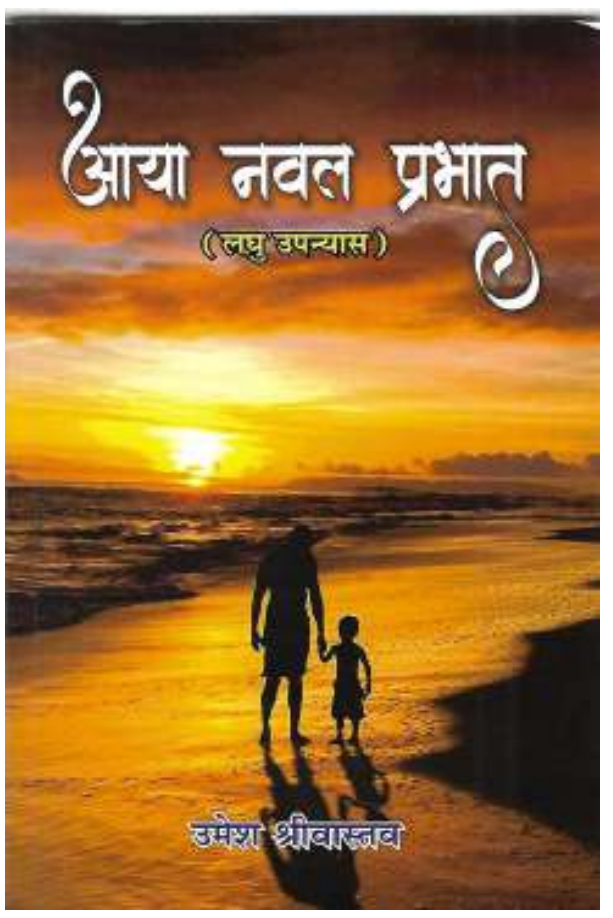

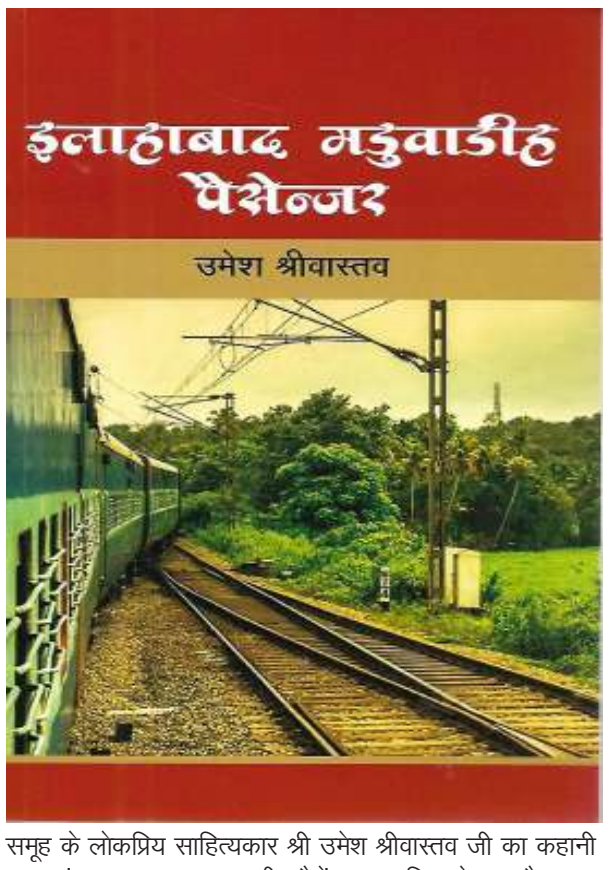

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

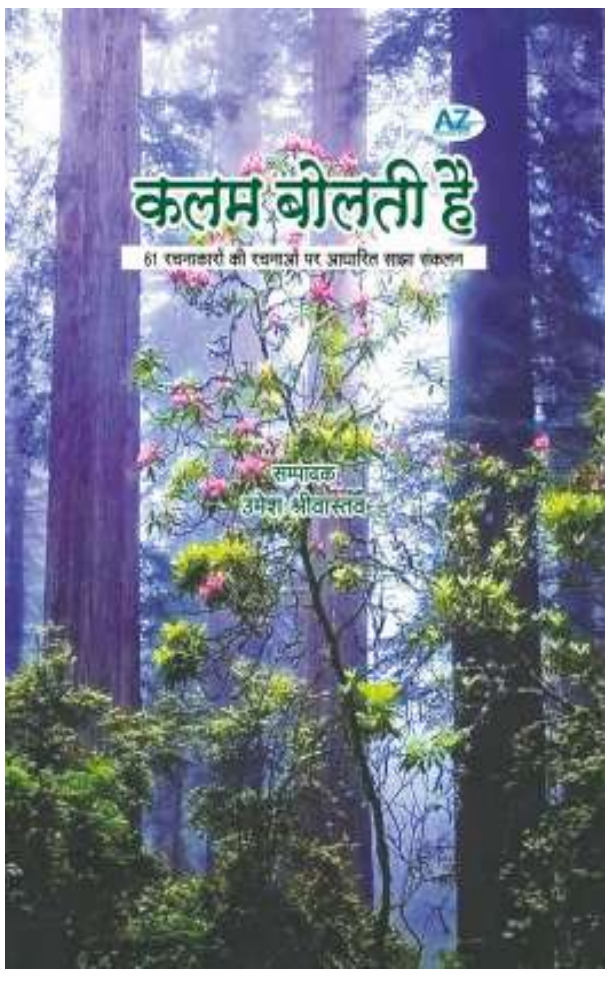

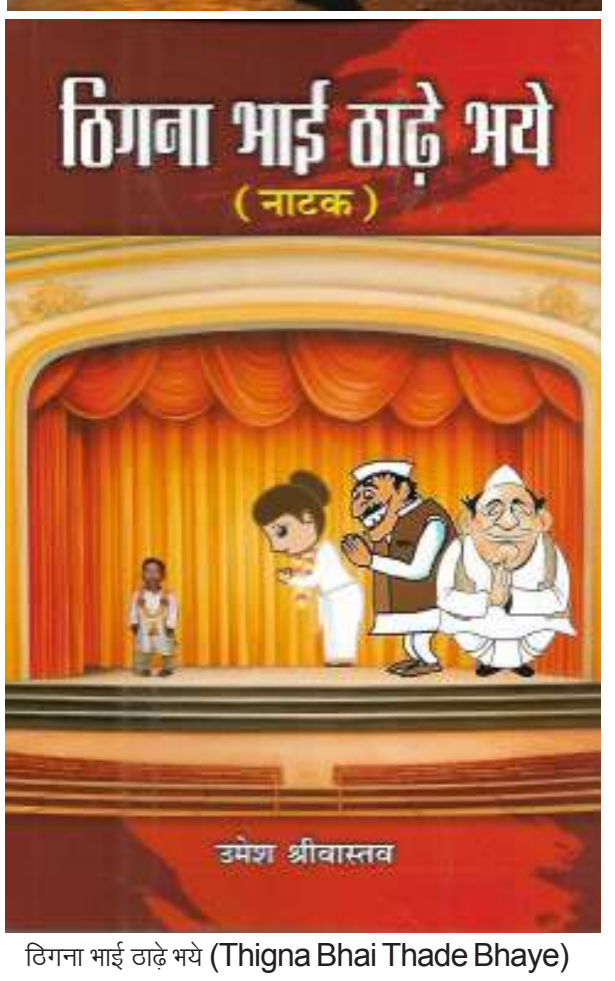

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बिग बैश के बाद बांग्लादेश में भी पाकिस्तान की किरकिरी! गन सेलिब्रेशन वाले साहिबजादा क्यों हो रहे ट्रोल?

ढाका,एजेंसी। बिग बैश लीग में पाकिस्तान खिलाड़ियों के लगातार ट्रोल होने के बाद, अब बांग्लादेश प्रीमियर लीग में भी पाकिस्तान की किरकिरी देखने को मिली। इस बार केंद्र में रहे ओपनर साहिबजादा फरहान, जिनका गन सेलिब्रेशन और फील्ड पर एटीट्यूड अक्सर सोशल मीडिया पर बहस का विषय बना रहता है। राजशाही वॉरियर्स और सिलहट टाइटन्स के बीच हाई–स्टेक मैच में फरहान का मनोवैज्ञानिक खेल उनके लिए उलटा पड़ गया। यह पूरा ड्रामा राजशाही की पारी के दौरान चौथे ओवर में घटा। दो गेंदों को खेलने के बाद फरहान ने बॉलर की तरफ देखते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार जॉन सीना का मशहूर यू कॉन्ट सी मी वाला हैंड जेस्चर कर दिया। यह जेस्चर बताता है कि सामने वाला खिलाड़ी श्मेरे लेवल पर नहींश और इसी एटीट्यूड ने दर्शकों को चौंका दिया। इसके जवाब में बांग्लादेशी बॉलर रूयेल मिया पूरी आग में दिखे। तीसरी गेंद उन्होंने हल्की वाइड फेंकी, जिसे फरहान ड्राइव करने के लालच में फंस गए। गेंद ऑफ–स्टंप से दूर होकर बैट का मोटा एज लेती हुई शॉर्ट थर्ड मैन के हाथों में चली गई। नतीजा, ओवरकॉन्फिडेंस के बाद साहिबजादा की तुरंत पवेलियन वापसी हुई। वहीं, कई और यूजर्स ने एशिया कप 2025 के दौरान उनके गन–फायर सेलिब्रेशन की भी याद दिलाई। खुद गेंदबाज ने साहिबजादा को आउट कर युजवेंद्र चहल स्टाइल में मैदान पर लेटकर जश्न मनाया। दरअसल, इस सीजन में फरहान पहले भी अपने सेलिब्रेशन और विवादित इंटरव्यू की वजह से सुर्खियों में रहे। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अहमद शहजाद को सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे महान खिलाड़ियों से ऊपर रैंक कर दिया था, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हुई थी। हालांकि, फरहान जल्दी आउट हुए। वह 12 गेंद में 14 रन बना सके, लेकिन राजशाही वॉरियर्स ने अपने गेंदबाजों की बदौलत 148 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक बचा लिया और मुकाबला जीत लिया। इससे पहले बीबीएल में शाहीन अफरीदी, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान भी खूब ट्रोल हुए थे।

विश्व में न्यूट्रास्यूटिकल्स का उभरता साम्राज्य, क्यों लेते हैं लोग पूरक आहार?

शिकागो,एजेंसी। स्वस्थ और संतुलित जीवन जाने की चाहत से दुनियाभर में पूरक खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। भारत में इस सेक्टर को न्यूट्रास्यूटिकल्स इंडस्ट्री कहा जाता है, जबकि अमेरिका जैसे देशों में डायटरी सप्लीमेंट्स या फूड सप्लीमेंट्स के नाम से जाना जाता है। इन उत्पादों का वैश्विक बाजार 350 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें औसतन 6 फीसदी की वार्षिक चक्रवृद्धि दर देखी गई है। इस सेक्टर में 25–30 फीसदी हिस्सेदारी सिर्फ अमेरिका की है। भारत ने भी 2035 तक न्यूट्रास्यूटिकल्स का 100 अरब डॉलर का बाजार विकसित करने का लक्ष्य रखा है। डायटरी सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स दोनों स्वास्थ्यवर्धक पूरक खाद्य उत्पाद हैं। इनमें एकल या मल्टी–विटामिन, खनिज तत्व, जड़ी–बूटियां, प्रोटीन, अमीनो एसिड, ओमेगा–3, प्रोबायोटिक्स, प्रीबायोटिक्स और को–एंजाइम क्यू10 शामिल हैं। ये रोगों के इलाज का दावा नहीं करते, बल्कि सामान्य स्वास्थ्य को सहारा देने के लिए जाने जाते हैं। टैबलेट्स, कैप्सूल या पाउडर के रूप में इनका सेवन किया जाता है। न्यूट्रास्यूटिकल्स या पौष्टिक–औषध प्राकृतिक स्रोतों जैसे जड़ी–बूटियां, फल–सब्जियां, अनाज और समुद्री जीवों से प्राप्त विशेष अर्क होते हैं। ये पोषण से आगे बढ़कर स्वास्थ्य लाभ, रोगों से बचाव और स्वास्थ्य रखरखाव में सहायक माने जाते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट, पॉलीफेनॉल्स, फ्लेवोनॉइड्स, प्रोबायोटिक्स जैसे जैविक रूप से सक्रिय तत्व होते हैं। कर्क्यूमिन, रेसवेराट्रॉल, गार्लिक एक्सट्रैक्ट जैसे तत्व भी इनमें शामिल रहते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने और पुरानी बीमारियों (डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग) से बचाव में सहायक माने जाते हैं। इन सभी तत्वों की प्रभावशीलता को लेकर पर्याप्त चिकित्सीय शोध उपलब्ध हैं। सात देशों के 4,000 उपभोक्ताओं के सर्वे में सामने आया कि बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित जीवन के लिए लोग सप्लीमेंट्स लेते हैं।घ्हालांकि, इनके उपयोग के पीछे कारण विभिन्न देशों के अनुसार अलग हैं। जर्मनी में आहार की कमी को पूरा करने के लिए ये ज्यादा लिए जाते हैं, जबकि भारत में खास स्वास्थ्य समस्या में लाभ के लिए इनका सेवन अधिक होता है। दुनिया में इस बात पर सहमति देखने को मिलती है कि इन उत्पादों का उत्पादन उच्च गुणवत्ता वाले वातावरण में होना चाहिए। इसके लिए मानक उत्पादन प्रक्रियाएं, जिन्हें करंट गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसकहा जाता है, अपनाई जाती हैं। सभी मामलों में नियामक संस्थाएं ऐसे दावों की अनुमति नहीं देती हैं, जो किसी रोग की रोकथाम या उपचार का संकेत देते हों। विभिन्न देशों में इन पूरक खाद्य उत्पादों से जुड़े नियमों में भी भिन्नता है। अमेरिका जैसे देशों में अपेक्षाकृत उदार नीति है, जहां स्वास्थ्य दावों और खुराक पर कम सख्ती है। यूरोप और लैटिन अमेरिका में स्वास्थ्य लाभ के दावों, खुराक और वैज्ञानिक प्रमाणों पर कड़ी पाबंदियां हैं। भारत में इन उत्पादों का नियमन भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण करता है। इसमें हेल्थ सप्लीमेंट्स, न्यूट्रास्यूटिकल्स, विशेष आहार वाले खाद्य उत्पाद, चिकित्सीय प्रयोजन के लिए खाद्य पदार्थ, औषधीय जड़ी–बूटियों युक्त उत्पाद, प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स युक्त खाद्य पदार्थ व नवोन्मेषी खाद्य उत्पाद जैसी श्रेणियां हैं।

एपस्टीन फाइल्स की रिलीज पर सांसद नहीं कर सकते दखल, न्याय विभाग बोला- कांग्रेस का अधिकार नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चर्चित जेफरी एपस्टीन ट्रैफिकिंग मामले से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने को लेकर बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट (DOJ) ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस के सदस्य एपस्टीन फाइल्स की रिलीज प्रक्रिया में अदालत के जरिए हस्तक्षेप नहीं कर सकते। न्यूयॉर्क के मैनहैटन स्थित शीर्ष संघीय अभियोजक और यूएस अटॉर्नी जे क्लेटन ने एक पत्र के जरिए कहा कि जज के पास यह अधिकार नहीं है कि वह किसी न्यूट्रल एक्सपर्ट या स्पेशल मास्टर की नियुक्ति करें, जो एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल से जुड़े दस्तावेजों की सार्वजनिक रिलीज की निगरानी करे।यह पत्र उस मांग के जवाब में भेजा गया है, जो अमेरिकी सांसद रो खन्ना (डेमोक्रेट) और थॉमस मैसी (रिपब्लिकन) ने की थी। दोनों सांसदों ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन फाइल्स की बेहद धीमी रिलीज कानून का उल्लंघन है और इससे पीड़ितों को दोबारा मानसिक आघात पहुंच रहा है। हालांकि, जस्टिस डिपार्टमेंट ने साफ कहा कि ये सांसद इस आपराधिक मामले के पक्षकार नहीं हैं, इसलिए उन्हें अदालत से इस तरह की असाधारण राहत मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। विभाग के मुताबिक, जज पॉल ए. एंगेलमेयर के पास ऐसी नियुक्ति करने का अधिकार ही नहीं है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही अदालत को दस्तावेजों की रिलीज को लेकर प्रगति रिपोर्ट सौंपेगा। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह भी बताया कि अब तक करीब 12,000 दस्तावेज जारी किए गए हैं, जबकि कुल फाइलों की संख्या 20 लाख से अधिक है। रिलीज की प्रक्रिया इसलिए धीमी है क्योंकि पीड़ितों की पहचान और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए कई दस्तावेजों में संशोधन जरूरी है। गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन की 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मौत हो गई थी, जिसे आत्महत्या बताया गया था। वहीं उसकी करीबी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को 2021 में नाबालिगों की तस्करी और यौन शोषण में मदद करने के आरोप में 20 साल की सजा सुनाई गई थी।

संक्षिप्त

शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में नहीं ले सकते, मिनेसोटा की अदालत का आदेश, ट्रंप को झटका

वॉशिंगटन ,। अमेरिका के मिनेसोटा की एक अदालत ने शुक्रवार को अहम आदेश पारित किया। इस आदेश के तहत शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को संघीय अप्रवासन अधिकारी न तो हिरासत में ले सकते हैं और न ही उनके खिलाफ टियर गैस का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमेरिका की डिस्ट्रिक्ट जज केट मेनडेज ने यह आदेश दिया। मिनेसोटा के छह सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिसंबर में इसे लेकर याचिका दायर की थी, जिस पर अब अदालत ने आदेश सुनाया है। ट्रंप प्रशासन में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और उन्हें पकड़कर निर्वासित करने की प्रक्रिया चल रही है। मिनियापोलिस के सेंट पॉल इलाके में भी दिसंबर की शुरुआत से ही अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसका लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है। अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ऑफ मिनेसोटा के कार्यकर्ताओं द्वारा अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का विरोध किया जा रहा है। इस संगठन का कहना है कि अप्रवासन विभाग के अधिकारी लोगों को संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। वहीं सरकारी अटॉर्नी ने अप्रवासन विभाग और बॉर्डर पेट्रोलिंग अधिकारियों की कार्रवाई का समर्थन किया और कहा कि ये अधिकारी कानून के तहत ही काम कर रहे हैं। मिनेसोटा में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का मिनेसोटा के डेमोक्रेट गवर्नर टिम वाल्ज और मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। बीते दिनों मिनियापोलिस में ही अप्रवासन विभाग के एजेंटों द्वारा रेनी निकोल गुड नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से मिनियापोलिस में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है। मिनियापोलिस और सेंट पॉल में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई को निलंबित करने की मांग को लेकर भी अदालत में याचिका दायर की गई है, जिस पर भी जल्द सुनवाई हो सकती है।

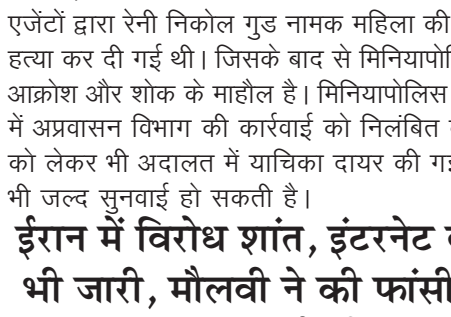

ईरान में विरोध शांत, इंटरनेट बंदी अब भी जारी, मौलवी ने की फांसी देने की मांगय ट्रंप को दी धमकी

तेहरान,। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद अब सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है, लेकिन सत्ता के गलियारों में गुस्सा और सख्ती बरकरार है। शुक्रवार को एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने न सिर्फ गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की मांग की, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी खुली धमकी दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन, जो पहले महंगाई और आर्थिक हालात को लेकर थे, धीरे–धीरे ईरान की धार्मिक सत्ता के खिलाफ खुली चुनौती में बदल गए। सरकार की कड़ी कार्रवाई के बाद अब तेहरान समेत देश के कई हिस्सों में जनजीवन सामान्य दिख रहा है, हालांकि इंटरनेट बंदी अब भी जारी है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि कार्रवाई में अब तक कम से कम 3,090 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान में दशकों में हुए किसी भी आंदोलन से कहीं ज्यादा बताया जा रहा है। हालांकि ईरानी सरकार ने अब तक आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या जारी नहीं की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने की कोशिशें भी तेज हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल दोनों नेताओं से बातचीत की है। वहीं, कई खाड़ी देशों ने अमेरिका को चेताया है कि ईरान में सैन्य हस्तक्षेप से वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान हो सकता है। उधर, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने आंदोलन जारी रखने की अपील की है और खुद ईरान लौटने का दावा किया है।

राष्ट्र महासचिव का महासभा के अंतिम संबोधन में वैश्विक संकटों का जिक्र, बोले- तत्काल सुधार जरूरी

लव गौर, एजेंसी। विश्व निकाय प्रमुख एंतोनियो गुटेरस ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधारों के लिए आगे आने को कहा। उन्होंने चेताया कि जो वैश्विक ताकतें आज विशेषाधिकारों से चिपकी रहेंगी, उन्हें भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों वर्गों का विस्तार शामिल है। गुटेरस ने इन्हीं बातों को 193 सदस्यीय महासभा में कहा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महासचिव ने अंतिम महासभा संबोधन में वैश्विक संकटों का उल्लेख करते हुए कहा, सुधार उन सभी वैश्विक संस्थानों में होना चाहिए जो आज की दुनिया को प्रतिबिंबित करते हों। गुटेरस बोले, 1945 के समस्या–समाधान से 2026 की समस्याएं हल नहीं होंगी। यदि संरचनाएं हमारी वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं, तो वे वैधता खो देंगी। यूएन महासचिव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार उतना ही आवश्यक है, जितना कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की शक्ति संरचनाओं को अद्यतन करना।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका के ईरान पर हमले की आशंका गहराई, निर्वासित युवराज ने भारत के साथ संबंधों पर दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन,एजेंसी। ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने शुक्रवार को अपने एक बयान में भारत–ईरान संबंधों की तारीफ की और साथ ही कहा कि दोनों देश नए अध्याय की शुरुआत कर सकते हैं। रेजा पहलवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत और ईरान के संबंध दशकों पुराने हैं और उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एक ईरान दौरे की यादें भी साझा कीं। रेजा पहलवी द्वारा भारत के साथ संबंधों को लेकर की गई बातचीत के बाद ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका जल्द ही ईरान पर हमला कर सकता है और रेजा पहलवी खुद को ईरान के अगले शाह के तौर पर पेश कर रहे हैं। रेजा पहलवी ने कहा, भारत और ईरान के आधुनिक समय में संबंध मजबूत रहे हैं। रेजा पहलवी ने इंदिरा गांधी के ईरान दौरे को याद करते हुए कहा कि जब भारत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने ईरान का दौरा किया था, उस वक्त वे बहुत छोटे थे। रेजा पहलवी ने भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध होने की भी बात कही। ईरान में लोकतंत्र लाने की पैरवी करते हुए निर्वासित युवराज ने कहा, श्लोकतांत्रिक ईरान प्राकृतिक तौर पर उन देशों के साथ मजबूत संबंध रखेगा, जो लोकतांत्रिक ईरान की संप्रभुता और आजादी का सम्मान करेंगे। आजादी और बंटवारे के बाद भारत–ईरान का यह भौगोलिक जुड़ाव टूट गया। शाह के शासनकाल में ईरान का जुड़ाव पाकिस्तान के साथ ज्यादा रहा। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के एक लेख के अनुसार, बंटवारे के बाद सबसे पहले पाकिस्तान को मान्यता देने वाले देशों में ईरान भी शामिल था। साथ ही 1965 और 1971 की लड़ाई में भी ईरान ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। शाह के शासनकाल में ईरान, पाकिस्तान का सबसे बड़ा दानदाता भी रहा था। हालांकि भारत और ईरान के संबंधों को बेहतर करने की कोशिशें जारी रहीं और 1969 में ईरान के शाह और फिर 1973 में तत्कालीन भारतीय पीएम इंदिरा गांधी ने ईरान का दौरा किया था। इंदिरा गांधी के ईरान दौरे से दोनों देशों के संबंधों में बेहतरी की शुरुआत हुई और जब भारत ने पहली बार परमाणु परीक्षण किया था तो उसके बाद साल 1974 में भी शाह ने भारत का दौरा किया था। इसके बाद भारत ने ईरान से अपना तेल आयात बढ़ा लिया था। जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंध बेहतर हुए। शाह के बाद इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ भी भारत के संबंध बेहतर रहे हैं।

गाजा का पुनर्निर्माण करने वाले बोर्ड में टोनी ब्लेयर भी शामिल, कैसे काम करेगा और कौन-कौन इसमें शामिल?

गाजा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए 20 बिंदुओं वाला एक प्रस्ताव पेश किया था। अब उस प्रस्ताव को लागू करने के लिए ट्रंप ने श्बोर्ड ऑफ पीसश (ठवंतक वि च्मंबम) में ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर और अपने दामाद जेरेड कुशनर को शामिल किया है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बताया कि टोनी ब्लेयर बोर्ड के संस्थापक सदस्यों में से एक होंगे। अन्य संस्थापक सदस्यों में जेरेड कुशनर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के पश्चिम एशिया में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को शामिल किया गया है। टोनी ब्लेयर 1997 से लेकर 2007 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर रहे। उनके ही नेतृत्व में इराक युद्ध में ब्रिटेन शामिल हुआ था। पीएम पद छोड़ने के बाद टोनी ब्लेयर अंतरराष्ट्रीय शक्तियों अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और यूएन के पश्चिम एशिया में विशेष दूत के रूप में काम कर चुके हैं। बोर्ड के अन्य सदस्यों में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ मार्क रोवेन, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बांगा, अमेरिका के उप–राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल का नाम शामिल किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि बोर्ड के सदस्य गाजा में स्थिरता लाने और दीर्घकालिक विकास योजना पर काम करेंगे। जिसमें शासन क्षमता निर्माण, क्षेत्रीय संबंध, गाजा में पुनर्निर्माण, निवेश, वित्तपोषण और पूंजी जुटाने का काम करेंगे। बोर्ड ऑफ पीस के अलावा एक अलग फलस्तीनी टेक्नोक्रेटिक समिति भी बनाई गई है। इस 15 सदस्यीय समिति का नाम नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन है, जो गाजा में प्रशासन का काम देखेगी। फलस्तीनी अथॉरिटी के पूर्व डिप्टी पीएम अली साथ इस एनसीएजी के अध्यक्ष होंगे। साथ ही बुल्गारिया के नेता और पश्चिम एशिया में यूए के विशेष दूत रहे निकोलाई म्लादेनोव इस समिति के सदस्य होंगे। ट्रंप की गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल को तैनात करने की भी योजना है। ये बल फलस्तीनी पुलिस बल को प्रशिक्षित करेगा। अमेरिका के मेजर जनरल जेस्पर जेफर इस अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल का नेतृत्व करेंगे। अमेरिका की शांति योजना बीते साल अक्तूबर में लागू हुई थी, जिसके चलते गाजा में इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम हुआ। हालांकि अभी भी गाजा के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस शांति योजना के दूसरे चरण में गाजा का पुनर्निर्माण कराया जाएगा और साथ ही हमास का निरशस्त्रीकरण भी कराया जाएगा।

ईरान के रेजाः क्या तेहरान की राजनीति में कोई नया अध्याय लिखा जाना बाकी है?

ईरान, एजेंसी। ईरान में एक दौर वह भी था, जब सत्ता महलों की ऊंची दीवारों के पीछे सांस लेती थी और सम्राट ही पूरे मुल्क की तकदीर का फैसला करता था। शाह मोहम्मद रेजा पहलवी भी उस वक्त दुनिया के सबसे रसूखदार शासकों में शुमार थे, जो ईरान पर शासन कर रहे थे। मगर उनके जीवन में एक खालीपन भी था। उन्हें अपनी विरासत सौंपने के लिए एक बेटे की दरकार थी। उन्होंने तीन शादियां कीं, पर बदकिस्मती से शुरुआती दोनों बीवियां उन्हें वारिस न दे सकीं। वक्त अपनी रफ्तार से बढ़ता रहा और फिर आई 31 अक्तूबर, 1960 की मध्य रात्रि। शाह मोहम्मद की तीसरी बीवी फराह दीबा ने तेहरान के एक अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। नाम रखा गया रेजा पहलवी। उस दिन पूरे ईरान में जश्न का सैलाब उमड़ पड़ा। अस्पताल से लेकर शाही महल तक लोग झूम रहे थे, क्योंकि देश को उसका श्युवराजश और शाह मोहम्मद को उनका वारिस मिल चुका था। हालांकि, उनके जन्म के सत्रह वर्षों बाद ही इस्लामी क्रांति ने ईरानी सत्ता की तस्वीर बदल दी। सड़कों पर क्रांति की ऐसी आग भड़की कि शाही खानदान को रातों–रात अपना देश छोड़ना पड़ा। रेजा ने दूर टेक्सास में बैठकर देखा कि कैसे उनके पिता का विशाल साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। वह फिर कभी अपने देश नहीं आ सके। लेकिन करीब चार दशकों बाद ईरान के भीतर उठ रहे विरोध के सुरों के बीच उनका नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। रेजा पहलवी पढ़ने–लिखने और फुटबाल व टेनिस खेलने के शौकीन हैं। स्कूली शिक्षा के दौरान वह स्कूल की फुटबाल टीम के कप्तान भी थे। वह कारों, फोटोग्राफी और शास्त्रीय संगीत में भी काफी दिलचस्पी रखते हैं। इसके अलावा, रेजा ईरानी, मध्य पूर्वी और यूरोपीय व्यंजनों को बनाना पसंद करते हैं। उन्हें तैराकी और घुड़सवारी का भी शौक है। वह ईरानी संस्कृति, इतिहास, दर्शन और लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी रुचि रखते हैं। रेजा पारसी कवि रूमी के प्रबल प्रशंसक हैं और अपने भाषणों में उनकी पंक्तियां अक्सर उद्धृत करते हैं। उन्होंने तीन किताबें भी लिखी हैं–गोजाश्तेह वा आयंदेहय विंड्स ऑफ चेंजरू द फ्यूचर ऑफ डेमोक्रेसी इन ईरान तथा ईरान रू लश्ह्यूर डु चोइक्स। रेजा अपने भाई–बहनों में सबसे बड़े हैं। उन्होंने अपने पिता को 1980 में खो दिया, और बाद में उनके दो छोटे भाई–बहनों (लैला और अली रेजा) की भी मृत्यु हो गई। वर्तमान में उनके भाई फरनाज ही जीवित हैं। पहलवी की प्रारंभिक शिक्षा तेहरान के नियावरन पैलेस में निजी शिक्षकों की देखरेख में हुई, जहां उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ ईरानी इतिहास, संस्कृति और राजकीय शिष्टाचार सिखाया गया। 1978 में रेजा अमेरिका गए और टेक्सास के रीज एयर फोर्स बेस में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स के तहत जेट फाइटर पायलट का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू की, पर पिता की गंभीर बीमारी के कारण पढ़ाई अधूरी छोड़कर परिवार के साथ काहिरा चले गए।

ट्रंप ने वेनेजुएला से की डील, US खरीदेगा 5 करोड़ बैरल तेल, पैसे भी अमेरिकी खाते में होंगे जमा

वॉशिंगटन,। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वेनेजुएला ने वॉशिंगटन को 52 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का 50 मिलियन बैरल तेल देने की पेशकश की है। उन्होंने इस सौदे पर सहमति जताई है। सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड रखे जाने के मौके पर उन्होंने कहा, श्हम नई राष्ट्रपति से बातचीत कर रहे हैं। हम उन लोगों से बातचीत कर रहे हैं जो देश चला रहे हैं। उन्होंने कहा, श्हमारे पास 5 करोड़ बैरल तेल है, और हमें इसे तुरंत संसाधित करना होगा क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे?श मैंने कहा, श्हम इसे लेंगे। यह 5.2 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है। ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य अभियान में पूर्व वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद गठित वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ महान रिश्तों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, श्वर्तमान अंतरिम राष्ट्रपति और बाकी सभी लोगों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। इससे काफी हद तक दबाव कम हो गया है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वॉशिंगटन इस दौरान वेनेजुएला का संचालन करेगा और उसे तेल और देश की अन्य चीजों तक पूरी पहुंच की जरूरत है। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित समाचार आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने वेनेजुएला से 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का पहला तेल खरीदा है। सेमाफोर की रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार तेल बिक्री से प्राप्त राजस्व फिलहाल अमेरिकी सरकार की ओर से नियंत्रित बैंक खातों में जमा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल कच्चे तेल का विशाल भंडार है– जो अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार, दुनिया के वैश्विक भंडार का लगभग पांचवां हिस्सा है। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि वह वेनेजुएला के क्षतिग्रस्त तेल बुनियादी ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करने के लिए प्रमुख अमेरिकी तेल कंपनियों को जुटाने की योजना बना रहे हैं।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की नजर से अमेरिका व यूरोप आमने–सामने, ट्रेड वॉर की चेतावनी, नाटो की भूमिका पर भी सवाल

लव गौर, एजेंसी। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के आक्रामक रुख ने यूरोप और वॉशिंगटन के बीच पहले से संवेदनशील आर्थिक रिश्तों में नई दरार की आशंका पैदा कर दी है।

फ्रांस के वित्त मंत्री रोलां लेस्क्योर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका ने ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश की, तो इससे अमेरिका–यूरोपीय संघ व्यापार संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है और जवाबी कदमों के रूप में एक प्रकार का ट्रेड वॉर भी शुरू हो सकता है। बुधवार को अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता किसी ठोस कूटनीतिक समाधान के बिना समाप्त हो गई।

इस पर लेस्क्योर ने कहा कि ग्रीनलैंड एक संप्रभु क्षेत्र है, जो एक संप्रभु देश का हिस्सा है और यूरोपीय संघ से जुड़ा है। भू–राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि अमेरिका ने डेनमार्क या यूरोप पर टैरिफ अथवा आर्थिक दबाव बढ़ाया तो यूरोपीय संघ भी समान प्रतिक्रिया दे सकता है।

अल्पाइन मैक्रो के मुख्य भू–राजनीतिक रणनीतिकार डैन अलामारियू के अनुसार यह स्थिति बाजारों को अस्थिर कर सकती है और नाटो जैसे गठबंधनों की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर सकती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।